25 जुलाई 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

अवैध उत्खन्न स्थल पर पहुंचे जेडीयू विधायक सरयू राय, कहा- सीबीआई व ईडी करें जाच

3

मुंबई ट्रेन ब्लास्ट के आरोपियों को बरी करने पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

एजेंसी/नई दिल्ली

2006 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले में बरी किए गए 12 आरोपियों को बरी करने के बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने आरोपियों को बरी करने के हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ महाराष्ट्र सरकार की याचिका पर यह नोटिस जारी किया है। महाराष्ट्र सरकार ने 22 जुलाई को 2006 के मुंबई ट्रेन बम विस्फोट मामले में 12 आरोपियों को बरी करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने 11 जुलाई 2006 को मुंबई में कई ट्रेन में किए

♦ पीठ ने कहा- हाई कोर्ट के फैसले को मिसाल नहीं माना जाएगा

गए सात बम धमाकों के मामले में सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को अब महाराष्ट्र सरकार की जीत बताई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ट्रेन विस्फोट मामले में बरी किए गए 12 आरोपियों को दोबारा गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। हालांकि, शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि हाईकोर्ट का बरी होना कोई मिसाल नहीं बनेगा। इस फैसले का मकोका के अन्य मुकदमों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस संबंध में आदेश पारित किया। पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की उस याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें कहा गया था कि उच्च न्यायालय के फैसले को अन्य लंबित महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) मामलों में मिसाल नहीं माना जाएगा। शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा उच्च न्यायालय के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली एक विशेष अनुमति याचिका पर संबंधित सभी आरोपियों को नोटिस जारी किया। पीठ ने इस दलील पर गौर किया और स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय के फैसले को मिसाल नहीं माना जाएगा।

मकोका अदालत ने पांच को सुनाई थी मौत की सजा, सात को आजीवन कारावास

उच्च न्यायालय ने सोमवार 21 जुलाई 2025 को फैसला सुनाया था। उसने विशेष मकोका अदालत के वर्ष 2015 के फैसले को पलटने हुए उसके उस आदेश को खारिज कर दिया, जिसमें पांच आरोपियों को मौत की सजा और सात को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। मकोका अदालत ने कमाल अंसारी (अब मृत), मोहम्मद फैसल शेख, एहते-शाम सिद्दीकी, नवीद हुसैन खान और आसिफ खान को मौत की सजा सुनाई थी। अदालत ने तनवीर अहमद इब्राहिम अंसारी, मोहम्मद माजिद शफी, शेख मोहम्मद, मोहम्मद साजिद मरगूब अंसारी, मुजम्मिल अताउर रहमान शेख, सुहैल महमूद शेख और जमीर अहमद शेख को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। मुंबई की लोकल ट्रेनों में 11 जुलाई, 2006 को सात बम विस्फोट हुए थे। इस घटना में 189 लोग मारे गए थे और 820 लोग घायल हुए थे।

पॉश एक्ट: महिला कार्यकर्ताओं की सुरक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई याचिका

एजेंसी/नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में एक अहम याचिका दाखिल की गई है, जिसमें राजनीतिक दलों को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम कानून (पॉश एक्ट) का पालन कराने की मांग की गई है।

जानकारी के मुताबिक, यह याचिका अधिवक्ता योगमाया एमजी की ओर से दायर की गई है। उनका कहना है कि राजनीतिक पार्टियां भी इस कानून के दायरे में आती हैं, इसलिए उन्हें इसके तहत सभी नियमों और प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए। याचिका में कहा गया है कि राजनीतिक दलों में काम करने वाली महिलाओं को सुरक्षित और समावेशी कार्य वातावरण देना जरूरी है। योगमाया ने 2024 में भी इसी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसके बाद अदालत ने उन्हें उपयुक्त प्राधिकरण से संपर्क करने की छूट दी थी। इसके बाद उन्होंने चुनाव आयोग को पत्र लिखा, लेकिन अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। इस याचिका में केंद्र सरकार के साथ-साथ प्रमुख राजनीतिक दलों को भी प्रतिवादी बनाया गया है। याचिका में मांग की गई है कि सभी राजनीतिक दलों में यौन उत्पीड़न से जुड़ी शिकायतों के निवारण के लिए आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) बनाई जाए।

बड़ा हादसा : हिमांचल प्रदेश के मंडी में दुर्घटनाग्रस्त हुई एचआरटीसी की बस

150 फीट नीचे खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस, सात की मौत व 20 जख्मी

♦ हादसे पर मुख्यमंत्री ने जताया शोक, अस्पताल पहुंचे उप मुख्यमंत्री

एजेंसी/नई दिल्ली

हिमाचल प्रदेश के मंडी में गुरुवार को हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बस गहरी खाई में गिर गयी। इस हादसे में सात लोगों की दर्दनाक मौत हो गयी। बस में चालक व खलासी के अलावा 25 यात्री सवार थे। घटना की सूचना मिलने के बाद सरकाघाट थाने की पुलिस मौके पर पहुंची जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू कर बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया। जिसके बाद सभी को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां कई लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें रेफर किया जा रहा है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि एचआरटीसी की बस में 25 लोग सवार थे। अचानक बस अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। इस हादसे में जहां पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। वहीं दो लोगों ने इलाज के दौरान अपना दम तोड़ा।

सीएम सुखविंद्र सुक्खू ने जताया गहरा शोक

वहीं मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने सात लोगों के निधन पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने और उपचार दिलाने के लिए जिला प्रशासन को निर्देश जारी कर दिए गए। उन्होंने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक-संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। वहीं, हादसे में घायल हुए लोगों से मिलने उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री गुरुवार दोपहर एम्स बिलासपुर पहुंचे। उन्होंने पीड़ितों का कुशलक्षेम जाना और परिजनों से भी बात की। साथ ही उन्होंने चिकित्सकों से पीड़ितों के बारे में जानकारी प्राप्त की। अग्निहोत्री ने पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं और उचित सहायता का आश्वासन दिया।

सभी हिमाचल प्रदेश के सरकाघाट जिले के रहने वाले थे : मृतकों में 4 महिला और 3 पुरूष शामिल हैं। सभी हिमाचल प्रदेश के सरकाघाट जिले के रहने वाले थे। मृतकों की पहचान 60 वर्षीय बालवीर, 17वर्षीय अंतरिक्ष, 33 वर्षीय सुमन कुमार, 65 वर्षीया गीता देवी, 70 वर्षीया डोमा देवी, 60 वर्षीया कलासी देवी और बर्फी देवी के रूप में हुई है। वहीं, घायलों का सरकाघाट अस्पताल व नेरचौक मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। गंभीर रूप से घायल हुए कंडक्टर सहित छह लोगों का उपचार एम्स बिलासपुर में चल रहा है। मृतक के परिजनों को इस हादसे की सूचना दी गई है। इस घटना की खबर मिलते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के परिवार वालों के आंखों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही डीएसपी सरकाघाट व पुलिस थाना की टीम मौके के लिए रवाना हुई। पुलिस का कहना है कि फिलहाल हादसे के मुख्य कारणों की अब तक पता नहीं चल पाया है।

रूस में बड़ा विमान हादसा, 49 यात्रियों की मौत

नई दिल्ली। रूस में एक बड़ा विमान हादसा हुआ है। रूस का एक यात्री विमान अमूर इलाके में क्रैश हो गया। यात्री विमान एयर ट्रैफिक कंट्रोल रूम से संपर्क टूटने के बाद गायब हो गया था। यह विमान रूस के पूर्वी अमूर क्षेत्र में था, जब इसका संपर्क कंट्रोल रूम से टूटा। एंगारा एयरलाइंस के एएन-24 विमान के क्रैश होने के बाद हादसे में 49 यात्रियों की मौत की पुष्टि की गई है। विमान हादसा तब हुआ, जब वो अपने गणतव्य से थोड़ी ही दूरी पर था। क्षेत्रीय गवर्नर वासिली ओरलोव ने बताया कि एएन-24 यात्री विमान में पांच बच्चों समेत 43 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सवार थे। विमान के संपर्क टूटने के बाद बचाव और सर्च ऑपरेशन तेजी से चलाया गया और इसका मलबा बरामद कर लिया गया।

एएन-24 का पूरा नाम एंटोनोव-24 है, जो एक सोवियत निर्मित मध्यम दूरी का डबल इंजन टर्बोप्रॉप यात्री विमान है। इसे मुख्य रूप से कम दूरी की उड़ानों के लिए बनाया गया है और क्षेत्रीय उड़ानों के लिए इसका इस्तेमाल होता है। ये पहली बार 1959 में उड़ा था और इसे रूसी, पूर्वी यूरोप और एशिया के कठिन इलाकों में उड़ान भरने के लिए डिजाइन किया गया था। ये विमान लगभग 1,500 से 2,000 किलोमीटर तक उड़ान भर सकता है, जो इसे क्षेत्रीय उड़ानों के लिए परफेक्ट बनाता है। इसकी खासियत ये है कि ये कम दूरी के रनवे से टेकऑफ और लैंडिंग कर सकता है, जो इसे दूर-दराज और पहाड़ी इलाकों के लिए उपयुक्त बनाता है। इसके मजबूत और भरोसेमंद डिजाइन की वजह से इसे कार्गो विमान और सैन्य परिवहन में भी इस्तेमाल किया जाता है।

कंबोडिया और थाईलैंड में तेज हुई जंग एक एफ-16 तबाह; अब तक 9 की मौत

थाईलैंड का आरोप- कंबोडिया ने ड्रोन व रॉकेट से हमले कर उकसाया

एजेंसी/नई दिल्ली

थाईलैंड और कंबोडिया के बीच दशकों पुराना सीमा विवाद एक बार फिर से हिंसक रूप ले चुका है। दोनों देशों के बीच जारी हमलों में अब कंबोडिया ने दावा किया है कि उसने थाईलैंड के एक ऋ16 फाइटर जेट को मार गिराया है, ऐसा तब हुआ जब थाईलैंड ने कंबोडिया के सैन्य ठिकानों पर छह ऋ16 जेट्स से हवाई हमले किए। यह संघर्ष विशेष तौर पर ता मुएन थॉम, ता क्राबेई, मोम बेई और प्रेह विहेयर मंदिर जैसे विवादित क्षेत्रों में केंद्रित है।

कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने थाई सेना पर हमले शुरू करने का आरोप लगाया है, जबकि थाईलैंड का कहना है कि कंबोडिया ने ड्रोन और रॉकेट हमलों के जरिए उकसावे की कार्रवाई की थी। इस तनाव ने दोनों देशों के बीच युद्ध जैसे हालात पैदा कर दिए हैं, जिसमें अब तक नौ लोगों के मारे जाने की खबर है। कंबोडिया के नेतृत्व ने इस संघर्ष को अपनी संप्रभुता पर हमला बताया है। प्रधानमंत्री हुन मानेट ने कहा कि कंबोडिया हमेशा शांति

चाहता है, लेकिन थाईलैंड की आक्रामकता के जवाब में बलपूर्वक कार्रवाई करना उसकी मजबूरी है। कंबोडियाई सेना ने थाई हमलों का जवाब रॉकेट और आर्टिलरी फायर से दिया, जिससे सीमा क्षेत्र में 40,000 से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं। दूसरी ओर थाईलैंड ने अपनी चकपोंग फुवनात सैन्य रणनीति को फिर से लागू किया है। जो कि 2008-2011 के प्रेह विहेयर मंदिर विवाद में भी इस्तेमाल हुई थी। इस रणनीति के तहत थाई सेना ने कंबोडिया के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, जिसे कंबोडिया ने अपनी अखंडता का उल्लंघन बताया है।

विधानसभा चुनाव से पहले अनंत सिंह को बड़ी राहत, मिली बेल

पटना। मोकामा के पूर्व बाहुबली विधायक अनंत सिंह को बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बड़ी रात मिली है। चर्चित रघुनाथन सिंह गोलीकांड में पटना के एमपी-एमएलए कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी है।

यह मामला सात अगस्त 2021 का है, जब रघुनाथन सिंह को गोली मारी गई थी। घटना को लेकर अनंत सिंह पर हमले की साजिश रचवाने का आरोप लगाया गया था, जबकि उस समय वह जेल में बंद थे। इस केस की सुनवाई पटना के एमपी-

एमएलए विशेष कोर्ट में चल रही है, जहां अब तक सात गवाहों की गवाही हो चुकी है और उनके बयान कोर्ट में दर्ज किए जा चुके हैं। मामले की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश अक्षय कुमार सिंह ने आज सुनवाई के दौरान अनंत सिंह को जमानत देने का आदेश दिया। अनंत सिंह फिलहाल पटना की बेऊर जेल में बंद थे। बता दें कि वे मोकामा से पांच बार विधायक रह चुके हैं और कई आपराधिक मामलों में घिरे रहे हैं। इसके अलावा, इस वर्ष पचमहला थाना क्षेत्र में एक अन्य गोलीबारी की घटना को लेकर सोनू-मोनू गैंग द्वारा अनंत सिंह पर केस दर्ज कराया गया था। जवाब में अनंत सिंह ने भी उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इन मामलों में अभी सुनवाई और जमानत प्रक्रिया लंबित है।

बिहार विस में बवाल: पक्ष-विपक्ष के बीच मारपीट की नौबत

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान गुरुवार को दूसरी पाली की कार्यवाही में सदन का माहौल बेहद तनावपूर्ण हो गया। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के संबोधन के दौरान राष्ट्रीय जनता दल और भारतीय जनता पार्टी के विधायकों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई, जो देखते ही देखते हाथापाई की नौबत तक पहुंच गई। दरअसल, सदन में सबसे पहले तेजस्वी यादव और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बीच तीखा वाक्युद्ध हुआ। इसके बाद दोनों दलों के विधायक खड़े होकर आपस में बहस करने लगे। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि स्पीकर को हस्तक्षेप करना पड़ा और उन्होंने सदन की कार्यवाही शाम 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बावजूद पक्ष और विपक्ष के विधायक आपस में भिड़े रहे। बीजेपी विधायक संजय सिंह माइक तोड़कर मारने आए, इसके बाद बात और बढ़ गई। राजद-कांग्रेस के कई विधायक सत्ता पक्ष

की तरफ लपके। तेजस्वी और बीजेपी एमएलए जनक सिंह में बाद विवाद हो रहा था। इस पर तेजस्वी यादव ने जनक सिंह को कहा कि इतना बोलिएगा तो नीचे गिला हो जाएगा। इसपर बीजेपी विधायक संजय सिंह ने विरोध किया और कहा कि जनक सिंह तुम्हारे बाप के साथ काम किए हैं। इसके बाद राजद विधायक, विजय सिन्हा, सम्राट चौधरी समेत कई विधायक सत्ता पक्ष की तरफ दौड़े। बाद में सदन में मौजूद मार्शल ने किसी तरह से हालात को काबू में किया।

योगी विदेश में दिलाएंगे नौकरी

एजेंसी/लखनऊ

विदेश में नौकरी की चाह रखने वाले उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए बड़ी खुशखबरी है। योगी सरकार अब उन्हें जर्मनी, जापान, इजरायल और खाड़ी देशों जैसे विकसित देशों में रोजगार दिलाने के लिए एक विशेष व्यवस्था करने जा रही है।

इसके तहत उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा जल्द ही अंतरराष्ट्रीय प्लेसमेंट सेल का गठन किया जाएगा। यूपी सरकार में व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि इस पहल से प्रदेश के युवाओं को विदेश में रोजगार पाने के लिए एक सशक्त और पारदर्शी मंच मिलेगा। प्लेसमेंट सेल एक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से काम करेगा। इसमें विदेश में नौकरी के इच्छुक युवा रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। नियोक्ता भी इसी प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी जरूरत के अनुसार युवाओं का चयन कर सकेंगे। पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और योग्यता आधारित बनाया जाएगा। इजरायल में पहले ही यूपी के हजारों युवा विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक काम कर रहे हैं। अब जर्मनी और जापान जैसे देशों में हेल्थकेयर वर्कर्स और नर्सिंग स्टाफ की मांग तेजी से बढ़ रही है। खाड़ी देशों से भी कुशल श्रमिकों के लिए लगातार डिमांड आ रही है।

अच्छी खबर: पटना मेट्रो के पहले चरण का काम लगभग पूरा, जल्द होगा ट्रायल

स्वतंत्रता दिवस पर मिलेगा राजधानी के लोगों को मेट्रो का तोहफा

केटी न्यूज/पटना

राजधानी पटना के निवासियों को इस बार स्वतंत्रता दिवस पर एक बड़ी सौगात मिलने जा रही है। पटना के लोग जिस मेट्रो का सालों से इंतजार कर रहे थे, उसका पहला चरण 15 अगस्त 2025 से शुरू हो जायेगा। इसके लिए तैयारियां युद्ध स्तर पर जारी हैं और निर्माण एजेंसियाँ दिन-रात दो शिफ्टों में काम कर रही हैं। मेट्रो के पहले चरण का काम लगभग पूरा होने वाला है। पटना मेट्रो के पहले प्राथमिक कॉरिडोर के तहत मलाही पकड़ी से न्यू

आईएसबीटी तक 6.2 किलोमीटर लंबे ट्रैक का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार इस खंड में कुल पांच स्टेशन हैं। इनमें मलाही पकड़ी, खेमनीचक, भूतनाथ, जीरो माइल व न्यू आईएसबीटी शामिल हैं। प्रारंभ में चार स्टेशनों के बीच मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी। खेमनीचक स्टेशन पर कार्य अभी अधूरा है।

स्टेशनों पर आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल: मेट्रो स्टेशनों पर यात्रियों की सुविधा के लिए स्वचालित किराया वसूली मशीन, प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर, स्वचालित एस्केलेटर और प्रवेश-निकास द्वार प्रणाली स्थापित की जा रही है। इन सभी उपकरणों की इंस्टॉलेशन प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। बिहार सरकार ने कहा है कि पटना मेट्रो परियोजना में सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं किया जा रहा है। निर्माण एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश हैं कि सभी कार्य अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप हों। मेट्रो डिपो में भी वॉशिंग यार्ड, पिट मेंटेनेंस सेक्शन, कंट्रोल रूम, पावर सब-स्टेशन, वर्कशॉप शेड, इंस्पेक्शन शेड और ट्रैक यूनिट जैसे ढांचों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है।

पटना पहुंच चुके हैं तीन कोच: मेट्रो संचालन के लिए तीन बोगियों वाली एक ट्रेन रैक हाल ही में पुणे से पटना पहुंच चुकी है। अब इसका परीक्षण (ट्रायल रन) जल्द शुरू किया जाएगा। इसके लिए भी जरूरी तकनीकी तैयारियां तेजी से की जा रही हैं।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

बक्सर

बक्सर, 25 जुलाई 2025
website:keshavtimes.com
e-mail:keshavtimes1@gmail.com

रंगमंच, सिनेमा और पत्रकारिता की त्रिवेणी थे अजीत राय, लंदन में हुआ निधन

- अनुमंडल के कसिया गांव के रहने वाले थे स्व. राय, डुमरांव में शोक की लहर
- कान फिल्म फेस्टिवल सहित कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों के प्रतिनिधि के रूप में भारत की ओर से शिरकत कर चुके थे

केटी न्यूज/बक्सर

रंगमंच, सिनेमा और पत्रकारिता के संगम कहे जाने वाले चर्चित लेखक और समीक्षक अजीत राय का लंदन में हृदयगति रुकने से निधन हो गया। वे 58 वर्ष के थे। मूल रूप से बक्सर जिले के डुमरांव प्रखंड अंतर्गत कसियां गांव निवासी रहे स्व. अजीत राय का जाना न केवल उनके गांव और जिले बल्कि पूरे देश की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत के लिए अपूरणीय क्षति मानी जा रही है। स्व. राय का आरंभिक जीवन गांव में ही बीता था तथा उन्होंने डुमरांव के डीके कॉलेज से स्नातक तक की शिक्षा ग्रहण की।

इसके बाद ही उन्होंने पत्रकारिता और रंगमंच के क्षेत्र में कदम रखा। अपनी प्रतिभा और निरंतर साधना के बल पर वे राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने में सफल रहे। उन्होंने नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की प्रतिष्ठित पत्रिका रंग प्रसंग का संपादन किया। इसके साथ ही देश के कई प्रमुख अखबारों में कला, सिनेमा और रंगकर्म पर उनके लेख नियमित प्रकाशित होते रहे।

अजीत राय न केवल देश बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी एक सशक्त सांस्कृतिक हस्ताक्षर थे। वे कान फिल्म फेस्टिवल सहित कई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों के प्रतिनिधि के रूप में भारत की ओर से शिरकत कर चुके थे। उन्होंने भारतीय फिल्म जगत के वैश्विक मंच पर प्रस्तुतिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह कई प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों के सूत्रधार भी रहे। लेखन के क्षेत्र में भी उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया।

आधा दर्जन से अधिक पुस्तकों की है रचना

अजीत राय लेखनी के भी धनी थे। रंगमंच, सिनेमा और संस्कृति से संबंधित लगभग आधा दर्जन पुस्तकों की रचना की। उनकी दृष्टि गंभीर और भाषा सहज होने के कारण वे पाठकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय थे। उनके निधन की सूचना मिलते ही डुमरांव, बक्सर तथा कला और साहित्य जगत में शोक की लहर दौड़ गई। वरिष्ठ पत्रकार और श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष डॉ. शशांक शेखर ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि अजीत राय बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। उनका जाना डुमरांव के लिए एक रत्न को खोने जैसा है। देश के रंगमंच और साहित्य में उनकी कमी लंबे समय तक खलेगी। बताया जा रहा है कि उनका निधन बीती रात लंदन में हार्ट अटैक के कारण हुआ। स्व. राय कसियां पंचायत के पूर्व मुखिया भोला नाथ राय के ज्येष्ठ पुत्र थे। वे अपने पीछे पिता के अलावे पत्नी शैलजा, इकलौते पुत्र भार्गव तथा तीन भाईयों बब्लू सिंह, रिंकू सिंह व दिनेश सिंह समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गए है। उनके पुत्र भार्गव भी फिल्म इंडस्ट्रीज से ही जुड़े है। उनके निधन की खबर से डुमरांव के रंगकर्मियों में भी शोक की लहर दौड़ गई है। इसके अतिरिक्त देश व विदेश के प्रसिद्ध पत्रकार व लेखकों ने उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की है। सभी उनके अचानक निधन से स्तंभ है। किसी को विश्वास ही नहीं हो रहा है कि इतनी जल्दी अजीत राय सभी को छोड़कर चले गए। अंतरराष्ट्रीय ख्याती प्राप्त होने के बाद भी उन्हें अपनी गांव की मिट्टी से प्यार था। वह हर साल अपने गांव आते और सभी से मिलते थे।

एक नजर

फरार आरोपित के घर पुलिस ने डुगडुगी पिटवा चस्पाया इश्तेहार, हाजिर

डुमरांव। नया भोजपुर पुलिस ने थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव में एक फरार आरोपित के घर इश्तेहार चश्पाया है। इश्तेहार चस्पाने के पूर्व पुलिस ने उसके दरवाजे पर डुगडुगी भी पिटवाया तथा उसके स्वजनों से कहा कि उसे अविलंब न्यायालय के समक्ष या पुलिस के समक्ष समपर्ण करवाए। ऐसा नहीं करने पर संपति कुर्क की जाएगी।आरोपित अजित पटवा पिता सुरेन्द्र पटवा पर पड़ोस की ही एक शादीशुदा महिला ने यौन शोषण करने का आरोप लगा पिछले साल ही नया भोजपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। इस मामले में आरोपित लंबे समय से फरार चल रहा है। कोर्ट द्वारा इस्तेहार जारी किए जाने के बाद गुरूवार को पुलिस ने उसके घर जा इश्तेहार चश्पाया। इस दौरान आस पास के लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई थी। नया भोजपुर थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि आरोपित यदि निर्धारित समय के अंदर हाजिर नहीं होता है तो उसकी संपति की कुर्की जब्ती की जाएगी।हालांकि, इस घटना को ले गांव में कई तरह की चचाएं हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपित व पीड़िता के परिवार के बीच लंबे समय तक नजदीकी भी रही है।

अगलगी में बकरी समेत हजारों की संपति खाक

बक्सर। स्थानीय थाना क्षेत्र के पीड़िया गांव में गुरुवार की अहले सुबह एक झोपड़ीनुमा घर में अचानक आग लग गई। अगलगी की इस घटना में झोपड़ी में बंधी एक बकरी, खाद्य पदार्थ, चौकी, खाट, बिछावन समेत हजारों की संपति जल गई है। अगलगी की जानकारी होते ही पड़ोसियों की तत्परता से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तबतक झोपड़ी पूरी तरह से जल गई थी। हालांकि, परिवार दूसरे झोपड़ी में सोया था, जिस कारण उनकी जान बच गई। अगलगी की यह घटना सीता देवी पति स्व. रामकुमार राम के घर में हुई है। इस मामले में पीड़िता ने स्थानीय थाने तथा अंचल कार्यालय में आवेदन दे न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का कहना है कि वह विधवा है तथा काफी गरीब है। उसने पुलिस व प्रशासन से उचित मुआवजे की मांग की है।

किसानों को बिजली आपूर्ति की दरकार, प्रखंड प्रमुख ने उठाई आवाज

केसठ। प्रखंड के डीहरा अंतर्गत वैना राजवाहा पोखरा में पानी की आपूर्ति वर्षों से बाधित है, जिसके कारण स्थानीय किसानों को खेती के लिए केवल टियुबेल पर निर्भर रहना पड़ रहा है। लेकिन टियुबेल चलाने हेतु उन्हें लगातार बिजली की किल्लत झेलनी पड़ रही है। इस समस्या को लेकर किसानों ने प्रखंड प्रमुख से गुहार लगाई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान नरेंद्र सिंह, कृष्ण, सिद्धनाथ राम, मनजी धोबी, शैलेन्द्र सिंह सहित अन्य कृषकों ने बताया कि डीहरा पोखरा स्थित ट्यूबवेल को बिजली नहीं मिल पाने के कारण सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है। नहर में वर्षों से पानी नहीं छोड़ा गया है, जिससे यह इलाका पूरी तरह से ट्यूबवेल पर ही निर्भर है। किसानों की शिकायत के बाद प्रखंड प्रमुख केसठ ने दक्षिण बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड डिवीजन, डुमरांव को पत्र भेजते हुए आग्रह किया है कि डीहरा पोखरा स्थित टियुबेल पर अविलंब बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि किसान समय रहते धान रोपनी और अन्य खेती-किसानी के कार्य पूरा कर सकें। प्रखंड प्रमुख ने यह भी कहा कि किसानों के लिए समय पर बिजली मुहैया कराना न केवल कृषि उत्पादन से जुड़ा मामला है बल्कि यह उनके जीवन और जीविका से जुड़ी प्राथमिक आवश्यकता है। उन्होंने विद्युत विभाग से त्वरित संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है।

प्रधान शिक्षिका रीना प्रधान ने विद्यालय का संभाला कार्यभार

- विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति, शिक्षण विधि, अनुशासन और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी अंचल के प्राथमिक विद्यालय नगरपुरा में एक नई शुरूआत हुई, जब शिक्षिका रीना प्रधान ने प्रधान शिक्षिका के पद पर औपचारिक रूप से योगदान दिया। बीपीएससी द्वारा आयोजित प्रधान शिक्षक परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के बाद उन्हें यह पदभार सौंपा गया। निवर्तमान प्रभारी प्रधानाध्यापक श्रीभगवान पासवान ने उन्हें विद्यालय का कार्यभार सौंपा। विद्यालय पहुंचने पर शिक्षकों और छात्र-छात्राओं द्वारा रीना प्रधान का उत्साहपूर्वक स्वागत किया गया। उनके नेतृत्व में विद्यालय में नए उत्साह और उम्मीद की लहर दौड़ गई। प्रधान शिक्षिका के रूप में योगदान करने के बाद रीना प्रधान ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उनका पहला उद्देश्य विद्यालय में शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाना और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिशन को धरातल पर उतारना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पारदर्शी रूप से मिले, यह सुनिश्चित करना भी उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि वे विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति, शिक्षण विधि, अनुशासन और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देंगी। साथ ही, शिक्षक साथियों के सहयोग से विद्यालय को मॉडल स्कूल के रूप में स्थापित करने की दिशा में काम करेंगी। इस मौके पर विद्यालय की शिक्षिका मीना कुमारी, निर्मला साहनी, सीतारा खातून, आकांक्षा सिंह सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। नई प्रधान शिक्षिका के आगमन से विद्यालय में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ, जिससे न केवल शिक्षक, बल्कि छात्र-छात्राएं भी उत्साहित नजर आए। गौरतलब हो कि सहियार गांव की रहने वाली रीना प्रधान पहले भी सिमरी क्षेत्र में पदस्थापित रह चुकी हैं। उनके पति अजीत ठाकुर इलाके के एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् के रूप में जाने जाते हैं, जिससे शिक्षा क्षेत्र में उनके अनुभव का लाभ विद्यालय को मिलेगा।

बढ़ी उम्मीद: बक्सर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से अग्रसर

चौसा थर्मल पावर प्लांट से जल्द होगा उत्पादन शुरू, मिलेगी बिजली

- 660-660 मेगावाट की दो इकाइयां की गई हैं स्थापित
- गंगा नदी से प्लांट तक जलापूर्ति के लिए बिछाई गई पाइपलाइन से अब संयंत्र तक पानी पहुंचने लगा

केटी न्यूज/बक्सर

बिहार के बक्सर जिले के चौसा प्रखंड में निमार्णाधीन 1320 मेगावाट की थर्मल पावर प्लांट परियोजना अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। यह परियोजना न केवल बिहार के बिजली संकट को दूर करने में सहायक बनेगी, बल्कि राज्य को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी छलांग भी देगी। संयंत्र से बहुत जल्द बिजली उत्पादन शुरू हो जाएगा, जिसकी पहली इकाई से ट्रायल के बाद उत्पादन की प्रक्रिया प्रारंभ होने वाली है।इस कोयला आधारित संयंत्र में उत्पादन के लिए आवश्यक मूलभूत संसाधनों की आपूर्ति लगभग पूरी हो चुकी है।

गंगा नदी से प्लांट तक जलापूर्ति के लिए बिछाई गई पाइपलाइन से अब संयंत्र तक पानी पहुंचने लगा है। अधिकारियों द्वारा इस पाइपलाइन का ट्रायल भी सफलतापूर्वक किया जा चुका है। जलापूर्ति व्यवस्था की सफलता को तकनीकी दृष्टि से एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है। वहीं, कोयले की आपूर्ति की प्रक्रिया भी तेजी से जारी है, और शीघ्र ही पूरी व्यवस्था दुरुस्त कर ली जाएगी।इस परियोजना की कुल उत्पादन क्षमता 1320 मेगावाट है, जिसमें 660-660 मेगावाट की दो इकाइयां स्थापित की गई हैं। संयंत्र के अधिकारियों के अनुसार, पहली इकाई से बिजली उत्पादन शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा, जबकि दूसरी इकाई पर कार्य अंतिम चरण में है। इससे उत्पादित कुल बिजली में से 85 प्रतिशत बिजली बिहार सरकार को दी जाएगी, जबकि शेष 15 प्रतिशत बिजली की स्वामित्व कंपनी के पास रहेगी।गौरतलब है कि इस परियोजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2019 में किया था। यह परियोजना केंद्र सरकार की पावर फॉर ऑल नीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य देश के सभी हिस्सों को सस्ती और स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करना है।

अब जब यह परियोजना मूर्त रूप लेने जा रही है, तो इससे बिहार को न केवल बिजली संकट से राहत मिलेगी, बल्कि औद्योगिक विकास की रफ्तार भी तेज होगी।सीईओ विकास शर्मा ने बताया कि यह संयंत्र बिहार को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि संयंत्र की स्थापना से स्थानीय स्तर पर भी बड़े पैमाने पर विकास हुआ है। सैकड़ों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है। परियोजना के दौरान आसपास की सड़कों और बुनियादी ढांचे का भी विकास किया गया है।

विकास शर्मा के अनुसार, यह संयंत्र न केवल बिजली उत्पादन की दृष्टि से बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास के लिहाज से भी मील का पत्थर साबित हो रहा है। स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर मिले हैं और कई तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाए गए हैं।

बक्सर बिजली परियोजना आने वाले वर्षों में बिहार की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही यह परियोजना ग्रीन एनर्जी की दिशा में भविष्य के प्रयासों के लिए भी नींव तैयार कर सकती है। चौसा का यह संयंत्र न केवल बिजली उत्पादन का केंद्र बनेगा, बल्कि यह बक्सर और समूचे बिहार के विकास की रोशनी भी बनकर उभरेगा।

वृद्ध पर हमले में आरोपी धराया

केटी न्यूज/डुमरांव

कोरानसराय थाना क्षेत्र के मठिला गांव में सोमवार की रात 65 वर्षीय आदित्य यादव पर धारदार हथियार से हुए जानलेवा हमला मामले में पीड़ित के बयान पर पुलिस ने मुरार निवासी व तांत्रिक 55 वर्षीय रामजी पासवान को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं, जानलेवा हमले के आरोपित की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है। पूरा मामला अंधविश्वास के विरोध से जुड़ा है।

कोरानसराय थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि पटना में इलाज के दौरान पुलिस को दिए फर्द बयान में पीड़ित आदित्य ने बताया है कि मुरार निवासी रामजी पासवान तांत्रिक है तथा वह लंबे समय में मेरे घर आता था तथा बेटे व बहू को अपने अंधविश्वास में फंसा लिया था। जिसका मैं विरोध कर रहा था। इसको लेकर एक महीना पहले उससे विवाद भी हुआ था। इस दौरान उसने अंजाम भुगतने की धमकी भी दिया था। पीड़ित ने पुलिस से कहा है कि मुझे पूरा भरोसा है कि उसी ने मुझपर जानलेवा हमला करवाया है। पीड़ित ने पुलिस को बताया है कि हमलावर हॉफ पैंट व काले रंग का टी-शर्ट पहने था, जिसे मैं पहचान नहीं सका। नामजद आरोपित को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस अब हमलावर की पहचान में जुट गई है। वहीं, ग्रामीण सूत्रों की मानें तो मामले का उद्भेदन होने पर कई चौकाने वाली बातें सामने आ सकती है। गौरतलब हो कि आदित्य यादव खाना खाकर अपने दरवाजे पर सो रहे थे, इसी दौरान रात करीब 10.30 बजे किसी ने धारदार हथियार से उसके पेट पर वार कर उसे लहूलुहान कर दिया था। इस हमले में आदित्य को गंभीर चोटें आई थी तथा उसका आंत बाहर आ गया था। अनुमंडलीय अस्पताल में समय से प्राथमिक इलाज मिलने से उसकी जान बच गई। वहीं, मामले में नामजद आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य लोगों की संलिप्तता की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही मामले का उद्भेदन कर

बिजली-पानी के मुद्दे पर कोरानसराय में आज धरना देंगे किसान

डुमरांव। प्रखंड समेत पूरे जिले के किसान फिलवक्त धनरोपानी ो लेकर चिंतित हैं। एक ओर धान की रोपनी का समय जल्द ही समाप्त हो जाएगा, वहीं मानसून ने भी किसानों के साथ दगाबाजी कर दी है। दूसरी ओर, सिचाईं विभाग व बिजली विभाग की उदासीनता से नाराज किसान शुक्रवार को कोरानसराय प्रमुख चौक के समीप एक दिवसीय धरना देंगे।

यह धरना सर्वदलीय किसान मोर्चा के बैनर तले दिया जाएगा। मोर्चा के अगस्त उपाध्याय ने इस संबंध में बताया कि धान की रोपनी का बेहतर समय तेजी से निकल रहा है। बारिश नहीं होने से जुलाई के इस आखिरी सप्ताह में खेतों में धूल उड़ रहा है। ऐसे समय में किसानों के खेत तक पानी पहुंचाने में नहर विभाग उदासीन बना हुआ हैं। उन्होंने बताया कि सिकरौल से निकलने वाले भोजपुर रावाजा तथा डुमरांव राजवाहा में पानी नहीं है।

चौसा प्रखंड में पीएम किसान योजना लाभ हेतु अभियान तेज

केटी न्यूज/चौसा

चौसा प्रखंड में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (पीएम-किसान) के अंतर्गत रैयत किसानों को लाभ दिलाने के उद्देश्य से ई-केवाईसी और फार्मर रजिस्ट्रेशन का कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। कृषि विभाग द्वारा यह कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है ताकि कोई भी पात्र किसान योजना के लाभ से वंचित न रह जाए।

प्रखंड कृषि पदाधिकारी शशि रंजन प्रसाद यादव ने बताया कि सभी पंचायतों में विशेष अभियान चलाकर किसानों का ई-केवाईसी और रजिस्ट्रेशन कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसानों को हर साल छह हजार की आर्थिक सहायता तीन किस्तों में सीधे उनके बैंक खातों में भेजी जाती है। उन्होंने बताया कि कई किसान अभी तक इस योजना के लिए जरूरी ई-केवाईसी और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया पूरी नहीं कर पाए हैं, जिसके कारण उन्हें लाभ मिलने में विलंब हो रहा है। ऐसे में किसानों से अपील की गई है कि वे समय रहते अपने नजदीकी राजस्व कर्मचारी, जैसे हलका कर्मचारी या राजस्व कर्मचारी से संपर्क कर अपना फार्मर रजिस्ट्रेशन अविलंब कराएं।कृषि पदाधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि पंजीकरण के लिए किसानों को आधार कार्ड, मोबाइल नंबर और जमीन से संबंधित दस्तावेज साथ लाने होंगे। यह अभियान कृषि विभाग और राजस्व विभाग के समन्वय से चलाया जा रहा है और अधिकारियों की निगरानी में यह कार्य नियमित रूप से संपन्न हो रहा है। कृषि विभाग का उद्देश्य है कि इस बार कोई भी पात्र किसान इस योजना से वंचित न रहे। इसके लिए पंचायत स्तर पर जागरूकता भी फैलाई जा रही है, ताकि सभी किसान समय पर जरूरी प्रक्रिया पूरी कर योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

नावानगर बीडीओ ने किया बीएलओ के कार्य की समीक्षा

नावानगर। मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम तेजी से चल रहा है। यह कार्य कैंप मोड में चल रहा है। गुरुवार को नावानगर बीडीओ ने बीएलओ के स्तर से किए जा रहे कार्यों की गहन समीक्षा की गई। बीएलओ द्वारा प्रतिवेदित सारांश पत्रक की जांच की गई एवं इस सावधानीपूर्वक तैयार करने का निदेश दिया गया।

महाकाल की विशेष भस्म आरती, गंगा महा आरती के साथ देर रात तक चला सांस्कृतिक कार्यक्रम

महादेव के नारों से गुंजायमान हुआ रघुनाथपुर का महाकालेश्वर मंदिर

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

सावन माह की शिवरात्रि पर ब्रह्मपुर प्रखंड अंतर्गत रघुनाथपुर शिवभक्ति में डूब गया। तुलसी स्थान स्थित महाकालेश्वर शिव मंदिर में सुबह से ही शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव से भगवान महाकालेश्वर का जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर दिनभर शिवनाम के जयघोष से गूंजता रहा और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति के तत्वावधान में भव्य शिवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत महाकाल की विशिष्ट भस्म आरती, गंगा महा आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया किया गया।

मंदिर के समीप स्थित तुलसी सरोवर के तट पर विद्वान अर्चक राजू मिश्रा, गोपी मिश्रा एवं विकास मिश्रा द्वारा काशी के दशाश्वमेध घाट पर होने वाली महाआरती की तर्ज पर भव्य एवं दिव्य गंगा आरती किया गया, जिसे देखने के लिए न सिर्फ स्थानीय ग्रामीण बल्कि आसपास के कई गांवों से शिवभक्त उमड़ पड़े। जैसे ही गंगा महाआरती आरंभ हुई वातावरण दीपों की रोशनी, शंखनाद, घंटियों की ध्वनि और भक्तों के हर हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान हो उठा।

आरती का दृश्य अत्यंत मनोहारी था, जिसमें तुलसी सरोवर की लहरों पर दीपों की झिलमिलाहट देखते ही बनती थी। गंगा आरती के बाद महाकाल की भस्म आरती की शुरूआत वैदिक पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार और रुद्राभिषेक के साथ हुई। सर्वप्रथम भगवान महाकाल का आकर्षक श्रृंगार किया गया और ढोल, नगाड़े एवं मंजीरे के साथ विशेष रूप से भस्म आरती की गई जो शिव उपासन की विशिष्ट परंपरा है। तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरूआत हुई। लोक गायक एवं कलाकार अभिनंदन मिश्रा एवं गायिका रिंकी मौर्या ने प्रसंग के साथ शिव गीतों से समा बांध दिया। उनकी भक्ति संगीत की शानदार प्रस्तुति ने शिवभक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर समिति के सदस्य मदन चौधरी, राजू मिश्रा, संतोष सिंह, शैलेश ओझा, संतोष गुप्ता सहित स्थानीय युवाओं की भूमिका सराहनीय रही। मंदिर प्रबंधन समिति से जुड़े शैलेश ओझा ने जानकारी दी कि सावन के प्रत्येक सोमवार को गंगा महाआरती का आयोजन किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

22 सितंबर से नवरात्र, वैष्णोदेवी, विंध्याचल और मैहर की ट्रेनों में बुकिंग खुलते ही सीटें फुल

धनबाद, एजेंसी। दुर्गापूजा की छुट्टियों के दौरान तीर्थ स्थलों के साथ पर्वतीय स्थल और सागर तटों पर जानेवाली ट्रेनों में तेजी से टिकट बुक हो रहे हैं। 22 सितंबर से नवरात्र शुरू होनेवाली है। 60 दिन पहले अग्रिम आरक्षण शुरू होते ही वैष्णोदेवी, विंध्याचल व मैहर की ट्रेनें लगभग फुल हो गई हैं। यही हाल मुंबई, गोवा, चेन्नई और राजस्थान जानेवाली ट्रेनों का है। ज्यादातर ट्रेनों में वेटिंगलिस्ट है या फिर गिनती की सीटें बची हैं। धनबाद से गुजरने वाली ट्रेनों के साथ धनबाद–अलेप्पी एक्सप्रेस में भी बुकिंग की रफ्तार सुपरफास्ट है। इस ट्रेन में भी 95 प्रतिशत सीटें भर गई हैं। इस बार दशहरा, दिवाली व छठ जैसे तीनों बड़े पर्व–त्योहार अक्टूबर माह में ही हैं। माह की शुरुआत में ही दशहरा है तो वहीं दूसरे पखवाड़े में दिवाली व छठ हैं। अक्टूबर की बुकिंग अभी शुरू नहीं हुई है। अग्रिम आरक्षण शुरू होते ही बुकिंग के लिए मारामारी शुरू होगी। टिकट मिलना मुश्किल होगा। धनबाद से जम्मू, धनबाद से चंडीगढ़, धनबाद से लोकमान्य तिलक मुंबई, धनबाद से कोयंबटूर, धनबाद से उधना सूरत, धनबाद से यशवंतपुर बेंगलुरु की स्पेशल ट्रेनें यात्रियों को त्योहारी सीजन में राहत देंगी। इनके साथ ही धनबाद से भोपाल व गोरखपुर के लिए भी नई ट्रेनों की संभावना तलाशी जा रही हैं। नई ट्रेनों के चलने के साथ ही धनबाद से जम्मू, धनबाद से चंडीगढ़ व धनबाद से लोकमान्य तिलक जैसी स्पेशल ट्रेनों के फेरे बढ़ने की भी प्रतीक्षा है।

भगवान शिव हैं ब्रह्मांड के मूल और सभी अस्तित्व का आधार : पंडित प्रमोद

गिरीडीह, एजेंसी। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार चातुर्मास में संसार का पालन भगवान शिव के हाथों रहता है। वह स्वयं जटाजुट भभूत लगाये तपस्वी के वश में रहकर चराचर जगत के सभी जीव जंतुओं पर अपना आशीर्वाद बनाये रखते हैं। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार चातुर्मास में संसार का पालन भगवान शिव के हाथों रहता है। वह स्वयं जटाजुट भभूत लगाये तपस्वी के वश में रहकर चराचर जगत के सभी जीव जंतुओं पर अपना आशीर्वाद बनाये रखते हैं। उक्त बातें काली मंडा रोड स्थित सनातन मंदिर में आयोजित प्रवचन में पंडित प्रमोद कुमार ने कही। कहा कि जिस व्यक्ति ने शिव तत्व को समझ लिया, भगवान भोलेनाथ उनके सारे मनोरथ पूरा करते हैं। शिव तत्व को हिंदू धर्म के लिए महत्वपूर्ण बताया। कहा कि यह ब्रह्मांड के मूल और सभी अस्तित्व का आधार है। इसका अनुभव ध्यान, योग, गुरु के मार्गदर्शन, सत्य और प्रेम के मार्ग पर चलकर किया जा सकता है। एक योग्य गुरु का मार्गदर्शन प्राप्त करना शिव तत्व को समझने और अनुभव करने में सहायक हो सकता है। बताया कि शिव को प्राप्त करने के लिए श्रावण मास उत्तम मास होता है। यही कारण है कि इस महीने में शिव के भक्त सात्विक आहार करते हैं, संयम से रहते हैं, उनमें भक्ति की बयार उमड़ पड़ती है। भगवान शिव को मृत्युंजय भी कहा जाता है। सावन मास में भगवान शिव की पूजा–अर्चना तथा अभिषेक करने से अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। शिव तत्व ब्रह्मांड का सार है, जिससे सब कुछ उत्पन्न होता है तथा सभी उसी में समाहित हो जाता है। सनातन मंदिर के अध्यक्ष अमित जुनेजा ने बताया कि सावन मास में 30 दिनों तक शिवमंदिर में रुद्राभिषेक और शाम में प्रवचन होता है।

पुलिस ने किया देह व्यापार का भंडाफोड़, मकान मालिक सहित 3 गिरफ्तार

गुमला, एजेंसी। गुमला से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां गुमला थाना की पुलिस ने शहर में देह व्यापार से जुड़ें मामले का खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने तीन महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संबंध में थानेदार महेंद्र कुमार करमाली ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई हुई। जानकारी के अनुसार, थानेदार ने कहा कि बीती रात महिला थानेदार अंकिता कुमारी साहू द्वारा सदर थाना क्षेत्र के लालडीपा स्थित अनिल किंडो के घर पर अवैध देह व्यापार कराये जाने की सूचना मिली। इसके बाद छापेमारी एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में महिला पुलिस के साथ पहुंचने पर सोसो जोड़ाडाड़ लालडीपा स्थित अनिल किंडो के घर पर बाहर एक महिला को कमरे के बाहर पाया गया। इसके बाद पुलिस ने घर पर छापामारी की। घर की तलाशी लेने पर एक 34 वर्षीय पुरुष और 28 साल व 40 साल की दो अन्य महिलाएं आपत्तिजनक स्थिति में कम कपड़े के साथ पाये गये। हालांकि, इस दौरान एक अन्य पुरुष मौके से भागने में सफल रहा। पुलिस ने मौके से कई आपत्तिजनक चीजें, हंटर बियर के खाली बोतल और आरएस शराब की बोतल के अलावा 12 हजार 950 रुपये कैश जब्त किया है। इधर, पुलिस की पूछताछ में महिलाओं ने बताया कि करीब एक माह से इस घर में देह व्यापार का काम चल रहा था। एक महिला ने जानकारी दी कि अनिल किंडो द्वारा उन्हें देह व्यापार करने के बदले कैश दिया जाता था। तय रेट के अनुसार ग्राहक को सेवा देते थे। वहीं, गिरफ्तार अनिल किंडो से पूछताछ करने पर पता चला कि एक अन्य महिला के साथ मिलकर दोनों लड़की मंगवाते थे।

अवैध उत्खनन स्थल पर पहुंचे जेडीयू विधायक सरयू राय, कहा- सीबीआई, ईडी करे जांच

धनबाद, एजेंसी। जिले के बाघमारा थाना क्षेत्र के जमुनिया में अवैध उत्खनन के दौरान चाल धंसने से कई मजदूर दब गए। घटना की जानकारी मिलने पर जमशेदपुर पश्चिमी से विधायक सरयू राय और गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी मौके पर पहुंचे। दोनों नेताओं ने अवैध उत्खनन वाली जगह का मुआयना किया।

जेडीयू विधायक सरयू राय ने पूरे मामले को लेकर भारत सरकार से सीबीआई और ईडी द्वारा जांच की मांग की है। इसके साथ ही राज्य सरकार से घटना की एसीबी जांच की मांग की है। निरीक्षण के दौरान मौके पर एक कुआंनुमा जगह पाई गई। जिसमें बांस और बल्ली लगे हुए थे। उसे प्लास्टिक से ढका गया था। इसके ठीक बगल में भी अवैध उत्खनन स्थल देखा गया। जिसे तत्काल भरा गया है। घटनास्थल पर चप्पल, टोकरी, बर्तन, पानी की बोतल भी मिली है।

रात में ही मिल गई थी मामले की जानकारी : सरयू राय : विधायक सरयू राय ने कहा कि मुझे रात में ही सूचना मिली थी कि अवैध खनन के दौरान चाल धंसी है। जिसमें करीब 15 मजदूर दबे हैं। इस बात की तत्काल जानकारी, धनबाद एसएसपी प्रभात कुमार को दी। जिस पर एसएसपी ने मामले को देखने की बात कहीं। विधायक ने कहा कि इस हादसे के लिए भारत सरकार की बीसीसीएल और सीआईएसएफ के अलावा स्थानीय जिला प्रशासन जिम्मेदार है। सरयू राय ने इस मामले में ट्वीट किया है।

सशस्त्र दस्ते के दम पर हो रहा है अवैध खनन : सरयू राय ने बताया कि अवैध खनन करने वाले, अपना एक सशस्त्र दस्ता बन चुके हैं। यह सशस्त्र दस्ता बाहर से अवैध उत्खनन क्षेत्र की पहरेदारी करता है। मीडिया अगर ऐसे मामलों पर कवरेज करने जाती है तो उन्हें भी हथियार के दम पर रोक दिया जाता है। क्योंकि मीडिया आम जनता से जुड़े मुद्दों को उठाती है।

शासन और प्रशासन की मिलीभगत : विधायक सरयू राय ने कहा कि अवैध कोयले के उत्खनन के लिए, बाहर से मजदूरों को लाया जाता है। उनके परिवारों को यह पता नहीं होता कि उनका आदमी काम करने के लिए कहां गया है? शासन और प्रशासन की मिलीभगत से इसी तरह से अवैध उत्खनन चलते रहे तो हमारे जैसे लोग मामला उठाते रहेंगे। क्योंकि इस पर अंकुश लगाना जरुरी है। उन्होंने बताया कि जांच के लिए एनडीआरएफ की टीम आ रही थी लेकिन उसे रोक दिया गया। एनडीआरएफ की टीम को रोका जाना शासन की मिलीभगत की बात सामने लाती है।

धनबाद में सीबीआई का ऑफिस तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई? : विधायक सरयू राय ने सीबीआई पर भी सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से रांची में सीबीआई का मुख्यालय है। धनबाद में भी सीबीआई का मुख्यालय स्थित है लेकिन सीबीआई मामले में संज्ञान नहीं ले ही है। सीबीआई किसके आदेश की प्रतीक्षा कर रही है यह तो वही बता सकते हैं। गृह मंत्रालय को जांच के लिए सीबीआई को आदेश देना चाहिए। धनबाद में सीबीआई का ऑफिस होते हुए भी उसके तरफ से कार्रवाई नहीं की जा रही है। विधायक ने कहा कि सबसे पहले बीसीसीएल के जीएम पर कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस मामले को वे विधानसभा सत्र में उठाएंगे।

मंत्री शिल्पी नेहा ने लापुंग प्रखंड में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 175 छात्रों को किया सम्मानित

रांची , एजेंसी। लापुंग के राजकीयकृत प्लस टू हाई स्कूल परिसर में भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में लापुंग प्रखंड के टॉपर सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 175 छात्र सम्मानित हुए।

शिक्षा के क्षेत्र में सफलता की ऊंची उड़ान भरने वाले छात्रों को राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सम्मानित किया। इस मौके पर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि सफलता की आदत डालना छात्रों के भविष्य के लिए कारगर साबित होगा। इस सच्चाई को छात्रों को समझने और अपने जीवन में उतारने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि पिछले 20 साल से मांडर विधानसभा क्षेत्र में प्रतिभा सम्मान का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरुआत पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों का उत्साहवर्धन करना और शिक्षा के क्षेत्र में प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ाना है। ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों के लिए ये सम्मान इसलिए खास है क्योंकि गांव के बच्चे अभाव में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं , जबकि शहर के बच्चों के पास कई तरह के संसाधन उपलब्ध हैं।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि ऐसे में विपरीत परिस्थितियों में संघर्ष कर सफलता पाने वाले छात्रों को सम्मानित करना हम सब का कर्तव्य है। बच्चों की सफलता में उनके अभिभावकों और शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि आज समाज को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। ये देश किसी धर्म ग्रन्थ से नहीं चलता, बल्कि ये देश संविधान से संचालित होता है। इसलिए आज की युवा पीढ़ी को अपने मौलिक अधिकारों को जानने, संविधान में निहित अपने हक-अधिकार को जानने के लिए संविधान पढ़ना जरूरी है। छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक गजट का इस्तेमाल अपने ज्ञान को बढ़ाने और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए करना चाहिए।प्रतिभा सम्मान समारोह में छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के जरिए सबका मन मोह लिया।

बिहार में बना मकान दिखाकर झारखंड से ले लिया योजना का लाभ, अब तक नहीं हुई वसूली

देवरी (गिरिडीह), एजेंसी। गिरिडीह के देवरी प्रखंड की कोसोगोंदो दिघी पंचायत अंतर्गत नवादा गांव में सरकारी योजनाओं के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। यहां प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत झारखंड सरकार की ओर से वर्ष 2020-21 में स्वीकृत की गई योजनागत राशि को चार लाभुकों ने फर्जीवाड़ा कर गटक लिया।

इन लाभुकों ने झारखंड के बजाय सीमावर्ती बिहार राज्य में पहले से ही बने अपने घर को योजना के तहत निर्मित दर्शा कर भुगतान हासिल कर लिया। बीडीओ की जांच में इस मामले का खुलासा हुआ। हालांकि, अभी तक न तो सरकारी राशि की वसूली हुई है ना ही आरोपितों पर कोई ठोस कार्रवाई हो सकी है। बिहार के चकाई ब्लॉक के कपसा गांव निवासी बांग्टू राम ने मंगलवार को देवरी बीडीओ को दिए गए आवेदन में बताया कि नवादा गांव के निवासी लीलावती देवी, श्यामसुंदर साव, गीता देवी और हारो साव के नाम से एक-एक यूनिट प्रधानमंत्री आवास योजना

स्वीकृत हुई थी।इन सभी लाभुकों ने झारखंड के नवादा गांव में घर न बनाकर बिहार के चकाई प्रखंड के घुठिया गांव में पहले से बने अपने घरों को दर्शा कर सरकारी राशि की निकासी कर ली। तत्कालीन बीडीओ की जांच रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई थी कि नवादा गांव में किसी प्रकार का निर्माण नहीं हुआ।जांच के बाद बीडीओ ने चारो लाभुकों को 1,30,000 की राशि प्रखंड नजारत में जमा करने का निर्देश दिया था और उनके खिलाफ नोटिस जारी किया गया, लेकिन तीन साल बीतने के बाद भी राशि वापस नहीं की गई है। बांग्टू राम ने अपने आवेदन में दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

रांची में 6500 करोड़ से बनेगा आउटर रिंग रोड, फ्लैश चार्जिंग बस भी चलेगी

रांची, एजेंसी। रांची में 6500 करोड़ रुपए की लागत से आउटर रिंग रोड बनेगा। रांची से जमशेदपुर तक फ्लैश चार्जिंग बस भी चलाई जाएगी। रातू रोड एलिवेटेड कॉरिडोर के नीचे सोहराय पेंटिंग भी बनाई जाएगी। केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इन तीनों योजनाओं को मंजूरी दे दी है।

इन मुद्दों को लेकर रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने बुधवार को नितिन गडकरी से भेंट की थी। उन्हें स्मरण पत्र सौंपा था। इसमें इन योजनाओं को मंजूरी देने का आग्रह किया था। इस पर नितिन गडकरी ने तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया।

संजय सेठ ने कहा कि गडकरी ने नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) के अधिकारियों को 6500 करोड़ रुपए की लागत से आउटर रिंग रोड का डीपीआर तैयार करने का निर्देश दिया।

साथ ही फ्लैश चार्जिंग बसों की डीपीआर तैयार करने को भी कहा। संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति पथ पर चल रहा है। रांची के विकास को भी

गति मिल रही है। इन तीनों परियोजनाओं से रांची को एक नई पहचान मिलेगी।

फ्लैश चार्जिंग बस रांची शहर और रांची से जमशेदपुर के बीच चलेगी। 18 मीटर लंबी इस बस में एक साथ 135 यात्री सफर कर सकेंगे। दिव्यांगजनों के लिए सीट आरक्षित होगी। चाय-कॉफी के लिए अलग से काउंटर होगा। यह बस महज 15 सेकेंड चार्ज होने पर 40 किमी तक चल सकेगी। नागपुर के बाद रांची देश का दूसरा शहर होगा, जहां ये बसें चलेंगी।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने दिल्ली में मेदांता ग्रुप के चेयरमैन डॉ. नरेश त्रेहान से भी मुलाकात की। उनसे झारखंड में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार पर बातचीत की। डॉ. त्रेहान ने बताया कि जल्दी ही रांची को एक और मेदांता अस्पताल मिलने वाला है। ताकि रांची के लोगों को बेहतर और समुचित इलाज मिल सके। संजय सेठ ने उनसे कई और सुझाव भी लिए।

हजारीबाग में अक्षय पात्र योजना की हालत पर पूर्व केंद्रीय मंत्री जयंत सिन्हा ने जताई चिंता

हजारीबाग, एजेंसी। जिले में अक्षय पात्र योजना जिस उद्देश्य के साथ शुरू की गई थी, वह अब तक पूरी नहीं हो पाई है। अक्षय पात्र योजना के तहत, स्कूल के बच्चों को मध्यान भोजन पहुंचना था लेकिन यह योजना महज 27 स्कूल तक सिमट कर रह गई है। आलम यह है कि हजारीबाग से पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री ने इस योजना को धरातल पर उतारा था। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने इस योजना को पूरा करने के लिए जिला प्रशासन समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि से हाथ जोड़कर प्रार्थना की है कि इसे पूरा किया जाए। पूर्व सांसद जयंत सिन्हा ने हाथ जोड़कर अपील की है कि अक्षय पात्र योजना, जिस उद्देश्य के साथ धरातल पर उतारी गई थी उसे पूरा करने में सहायता करें। उन्होंने यह भी कहा कि अगर नौबत पड़ेगी तो वे पैर पकड़ने के लिए भी तैयार हैं। दरअसल पूर्व केंद्रीय राज्य उड्डयन मंत्री जयंत सिन्हा ने बड़े ही उत्साह के साथ, इस योजना को धरातल पर उतारा था। यह उनका ड्रीम प्रोजेक्ट था।

सरकारी स्कूल के बच्चों को मध्याह्न भोजन के रूप में बेहतर पौष्टिक खाना मिले, इसे लेकर अक्षय पात्र योजना धरातल पर उतारी गई थी। जिसके तहत एक लाख बच्चों को भोजन देना था। लेकिन यह

योजना कुछ विद्यालय तक सीमित होकर रह गई है।

पूर्व सांसद जयंत सिन्हा ने आगे कहा कि बच्चों के भविष्य और उनके स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। क्योंकि अक्षय पात्र एक महत्वपूर्ण योजना है। जिसका एकमात्र उद्देश्य बच्चों से जुड़ा है। स्कूलों में एक बॉयलर के कारण खाना तैयार नहीं हो रहा है और इसे देखने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि वे खुद एक साधारण व्यक्ति हैं। इसी कारण वह प्रार्थना ही कर सकते हैं।

स्कली बच्चों के लिए एक साथ 10 हजार किलो चावल, 5000 किलो दाल और 5500 किलो सब्जी बनाने की योजना है। यहां से सरकारी स्कूल में पढ़ रहे बच्चों को स्वादिष्ट और पौष्टिक भोजन पहुंचाया जाएगा। अक्षय पात्र में खाना बनाने के लिए स्थानीय बाजारों से सब्जी खरीदी जाएगी, जिससे किसानों को लाभ पहुंचेगा।

थम नहीं रहा फार्मेसी काउंसिल सदस्यों की चयन प्रक्रिया पर विवाद, वार्ता में पीछे हटे रजिस्ट्रार

रांची, एजेंसी। झारखंड स्टेट फार्मेसी काउंसिल में रजिस्ट्रार समेत मनोनीत सदस्यों के चयन का विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने काउंसिल गेट के समक्ष जमकर विरोध-प्रदर्शन किया।

काउंसिल गेट पर पांच घंटे तक धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को हटाने के लिए बरियातू पुलिस को बुलाया गया। लेकिन आंदोलनकारी डटे रहे। अंतत प्रशासन की पहल से काउंसिल के रजिस्ट्रार प्रशांत कुमार पांडे प्रदर्शनकारियों के बीच वार्ता के लिए पहुंचे।

फिर काउंसिल रजिस्ट्रार प्रशांत पांडे वार्ता के बीच से ही उठ कर निकल गए। आंदोलन के नेतृत्वकर्ता देवेंद्र नाथ महतो ने काउंसिल प्रबंधक को एक सप्ताह का अल्टीमेटम दिया और कहा राज्य के मूलवासियों के अधिकार के लिए उनका संगठन एकजुट है।

काउंसिल गैर सरकारी व गैर झारखंडियों के कब्जे में मनमानी तरीके से संचालित हो रही है। तमाम विसंगतियों को दूर करने के लिए उनका आंदोलन जारी रहेगा। 13 अप्रैल 2025 को ही वर्तमान रजिस्ट्रार सह सचिव का कार्यकाल समाप्त हो गया है।

साथ ही काउंसिल के वर्तमान इलेक्टेड मेंबर को फर्जी पत्राचार के माध्यम से चयनित करने का आरोप लगाया गया। महतो ने चयन प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच एवं निबंधक प्रशांत पांडे के सर्विस रिकार्ड को जांच करने का मांग की।

कोडरमा डीसी ने किया औचक निरीक्षण, एक कर्मी निलंबित, 24 के वेतन पर रोक

कोडरमा, एजेंसी। कोडरमा के डीसी ऋतुराज ने बुधवार को जयनगर अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण में कार्यालय में गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। डीसी ने एक राजस्व कर्मचारी को निलंबित कर दिया। साथ ही 24 से अधिक कर्मियों के वेतन पर रोक लगा दी। डीसी ने कार्यालय के आगत-निर्गत रजिस्टर और स्टॉक रजिस्टर की जांच की। पत्राचार और रिकॉर्ड संधारण में भारी लापरवाही मिली। आपदा प्रबंधन से जुड़े पत्रों का उचित रखरखाव नहीं किया गया था। कई महत्वपूर्ण मामलों का निपटारा लंबित था।

डीसी ने ऑनलाइन प्रणाली से जुड़े कार्यों की भी समीक्षा की : राजस्व कर्मचारियों के पास दैनिक कार्य लॉग बुक नहीं मिली। दाखिल-खारिज के कई मामले 30 से 90 दिनों से लंबित पाए गए। डीसी ने ऑनलाइन प्रणाली से जुड़े कार्यों की भी समीक्षा की। कर्मचारियों की धीमी कार्य प्रणाली पर उन्होंने नाराजगी जताई। डीसी ने

जयनगर प्रखंड के आंगनबाड़ी केंद्रों और उत्क्रमित उच्च विद्यालय रूपयाडीह का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध सुधार के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि शासकीय कार्यों में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जनता से जुड़े विषयों में पारदर्शिता और तत्परता जरूरी है।

पंजी संधारण में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित सेविका को शो-कॉज नोटिस : डीसी ऋतुराज ने जयनगर प्रखंड के जयनगर पंचायत अंतर्गत स्थित मॉडल आंगनबाड़ी प्री-नर्सरी स्कूल किलकारी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केन्द्र की शैक्षणिक, पोषण एवं आधारभूत संरचना, रजिस्टर संधारण का गहन निरीक्षण कर सभी पहलुओं का मूल्यांकन किया। उन्होंने पंजी संधारण में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित सेविका के विरुद्ध शो-कॉज नोटिस जारी करने का निर्देश भी दिया। डीसी ने बच्चों के पाठ्यक्रम की जानकारी ली और उनके वजन एवं लंबाई के मापन की प्रक्रिया को समझा। बच्चों से संवाद करते हुए उन्होंने कलर कोडिंग की जानकारी ली और बच्चों की सक्रिय भागीदारी पर संतोष प्रकट किया।

प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी और एएनएम से मांगा स्पष्टीकरण : औचक निरीक्षण के क्रम में डीसी रूपायडीह स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भी पहुंचे। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र की साफ-सफाई, दवाओं का भंडारण एवं वितरण, प्रसव कक्ष की व्यवस्था तथा रजिस्टर संधारण की गहन जांच की गई। निरीक्षण में सभी कार्यों में लापरवाही एवं अनियमितता पाई गई। प्रसव कक्ष अव्यवस्थित पाया गया और आवश्यक रजिस्टर भी समुचित रूप से संधारित नहीं थे। डीसी ने इस पर नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी और एएनएम से शो कॉज नोटिस जारी करने का निर्देश दिया तथा संबंधित सभी कर्मचारियों का वेतन रोकने का आदेश दिया।

पंचायत सचिव व रोजगार सेवक को शो-कॉज, वेतन रोका गया : इसी क्रम में डीसी ऋतुराज ने जयनगर प्रखंड के सुदूरवर्ती पंचायत रूपायडीह का भी औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन, योजना पंजी, स्टॉक रजिस्टर, कैश बुक, ज्ञान केंद्र तथा जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित अभिलेखों की गहन जांच की गई।डीसी द्वारा ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति जानने के लिए संबंधित अभिलेखों और मनरेगा की योजना की स्थलीय सत्यापन किया गया। योजनाओं के भौतिक सत्यापन के लिए स्वयं बाइक से योजना स्थल का दौरा किया। मौके पर पाया गया कि समतलीकरण योजना कागजों पर ही सीमित है और धरातल पर कार्य नहीं किया गया है।

गुमला में देह व्यापार गिरोह का भंडाफोड़, 3 महिला समेत 4 आरोपी गिरफ्तार

गुमला, एजेंसी। पुलिस ने देह व्यापार करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। सदर थाना क्षेत्र के लाल डिपा में चल रहे देह व्यापार में शामिल तीन महिलाओं समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

इस कार्रवाई को एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव के नेतृत्व में अंजाम दिया गया है। जिसमें महिला थानेदार अंकिता कुमारी साहू की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की। छापेमारी के दौरान एक महिला को कमरे के बाहर पाया गया। जब पुलिस ने घर की तलाशी ली तो उसमें एक पुरुष और दो महिलाएं आपत्तिजनक हालत में मिले। इस दौरान एक पुरुष मौके से फरार हो गया।

इस दौरान पुलिस ने मौके से शक्तिवर्धक कैप्सूल, बियर की खाली बोतलें और शराब की बोतलें बरामद की है। इसके साथ ही 12,950 रुपये भी जब्त किए गए हैं। पूछताछ में पता चला है कि करीब एक महीने से, देह व्यापार चल रहा था। महिलाओं को पैसे देकर देह व्यापार करवाया जाता था। पकड़े गए आरोपी ने पुलिस को बताया कि एक अन्य महिला के साथ मिलकर वह लड़कियां मंगवाता था और युवकों से पैसे लेकर देह व्यापार करवाता था। पुलिस ने धारा 272/292 के तहत मामला दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

सुभाषितम्

एक बेहतरीन किताब 100 अच्छे दोस्त के बराबर है, लेकिन एक सर्वश्रेष्ठ दोस्त पुस्तकालय के बराबर है। - अब्दुल कलाम

मस्जिद पर सपा सांसदों का जाना आस्था बनाम राजनीतिक टकराव

भारत जैसे बहुधार्मिक और संवेदनशील लोकतंत्र में धर्म और राजनीति का टकराव कोई नया विषय नहीं है, जब यह टकराव इबादतगाहों को लेकर होने लगे, तो सवाल गंभीर हो जाते हैं। विगत दिवस संसद भवन के पास स्थित एक मस्जिद में समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव और उनके सांसद मस्जिद में बैठकर आपस में कुछ चर्चा कर रहे थे। सपा के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी इस मस्जिद के इमाम भी हैं। लोकसभा एवं राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित हो गई थी। इमाम साहब सपा के सांसदों के साथ मस्जिद पहुंचकर मस्जिद के बैठक कक्ष में आपस में चर्चा कर रहे थे। इसका एक फोटो वायरल हुआ उसके बाद हंगामा मच गया। भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चे ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए प्रदर्शन करने की बात कही है। मंदिर-मस्जिद के बीच टकराव की यह ताजा मिसाल है। बीजेपी ने इस बैठक को धार्मिक स्थल के राजनीतिक उपयोग का मामला बताते हुए कड़ा विरोध जताया है। पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा ने दावा किया है, मस्जिद को सपा का पार्टी दफ्तर बना दिया गया है। दूसरी ओर, अखिलेश यादव ने यह कहकर पलटवार किया, बीजेपी लोगों को धर्म के नाम पर बांटने का प्रयास कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा, धार्मिक स्थल जोड़ने का होता है। यह विवाद केवल एक फोटो के आधार पर शुरू हो गया है। भारत में इस बात का संकेत है। जहां राजनीति, धर्म और सामाजिक संवेदनाएं टकरा रही हैं। यह सत्य है, किसी भी धार्मिक स्थल का उपयोग राजनीतिक मंच के रूप में होना ना तो उचित है, ना ही संवैधानिक मयार्दाओं के अनुरूप है। धार्मिक स्थलों पर सभी नागरिकों की श्रद्धा होती है। धार्मिक स्थलों को कभी भी किसी दल विशेष की बैठकों या रणनीति का अड्डा नहीं बनाया जा सकता है। विचारणीय प्रश्न है, क्या वाकई सपा के सांसद बैठक के लिए एकत्रित हुए थे, क्या यह राजनीतिक बैठक थी। या महज एक संयोग था। सपा सांसद मोहिबुल्लाह नदवी इसी मस्जिद के इमाम हैं। सपा के सभी सांसद सदन की कार्यवाही में भाग लेने के लिए संसद पहुंचे थे। दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित हो गई थी। ऐसे में सपा के सांसदों का अपने ही एक सांसद के धार्मिक स्थल के कार्यालय में जाकर बैठना क्या कोई राजनीतिक गतिविधि थी। मामला तब जटिल हो गया, जब सपा के शीर्ष नेता के साथ एक धार्मिक स्थल पर सपा के कई सांसद एक साथ नजर आये। ऐसी स्थिति में विपक्ष के राजनीतिक दल की शंका स्वाभाविक है। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड की आपत्ति और मुस्लिम समाज के भीतर से उठती नाराजगी इसी बात का प्रमाण है। धार्मिक भावनाओं को लेकर लोग संवेदनशील होते हैं। भाजपा की आपत्ति पर सपा का यह कहना कि क्या अब मस्जिद या मंदिर जाने के लिए बीजेपी से अनुमति लेनी होगी? राजनीति में यह शैली बड़ी आम हो गई है। इस पूरे विवाद से एक बात स्पष्ट है, धर्म और राजनीति के बीच सभी राजनीतिक दलों को एक मयार्दा रखनी होगी। जब नेता धार्मिक स्थलों पर जाएं, तो वह श्रद्धा के भाव से हों, ना कि सियासी रणनीति के तहत। भारत में चुनाव के समय सभी राजनीतिक दलों के नेता धार्मिक स्थलों पर जाकर अपनी आस्था प्रकट करते हैं। जिसके कारण धार्मिक आस्था भी विवाद का विषय बन जाती है। एक फोटो को किस तरह से विवाद का विषय बनाया जा सकता है। इसका यह एक उदाहरण है। सपा नेता और उनके सांसदों का कहना है उनके एक सांसद जो इस मस्जिद के इमाम हैं उनके अनुरोध पर लोग कुछ देर के लिए वहां पर चले गए थे क्योंकि दोनों सदन की कार्यवाही स्थगित हो गई थी। नदवी के अनुरोध पर सभी लोग वहां पर अनौपचारिक रूप से बैठे हुए थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी वहां पर उपस्थित थे, जिसको राजनीतिक बैठक का रंग दे दिया गया।

चिंतन-मनन

उपाय भी ठीक से हो

एक सास ने बहू से कहा, बहूरानी! मैं अभी बाहर जा रही हूं। एक बात का ध्यान रहे, घर में अंधेरा न घुसने पाए। बहू बहुत भोली थी। सास चली गई, सांझ होने को आई। उसने सोचा कि अंधेरा कहीं घुस न जाए, सारे दरवाजे बंद कर दिए। सब खिड़कियां बंद कर दीं। दरवाजे के पास लाठी लेकर बैठ गई। सोचा- दरवाजा खुला नहीं है, कोई खिड़की खुली है, कहीं भी कोई छेद नहीं। आएगा तो दरवाजा खटखटाएगा, लाठी लिए बैठी हूं, देखती हूं कैसे अन्दर आएगा। पूरी व्यवस्था कर दी। अंधेरा गहराने लगा। सोचा, कहां से आ गया! कहीं भी तो कोई रास्ता नहीं है। हो न हो दरवाजे से ही आ रहा है। अन्धकार को पीटना शुरू कर दिया। काफी पीटा कि निकल जाओ मेरे घर से! मेरी सास की मनाही है कि तुम्हें भीतर घुसना नहीं है! खूब लाठियां बजाई। लाठी टूटने लगी। हाथ छिल गए। लहूलुहान हो गए। अंधेरा तो नहीं गया। परेशान हो गई। सास आई। दरवाजा खोला। कहा, यह क्या किया? मैंने कहा था कि अंधेरे को मत आने देना घर में। वह बोली, देखो, मेरे हाथ देख लो। लहूलुहान हो गए। लाठी टूट गई। मैंने बहुत समझाया, बहुत रोका, पर इतना जिद्दी है कि माना ही नहीं और यह तो घुस ही गया। सास ने सिर पर हाथ रखा। कहा, बहूरानी! अंधेरे को ?से मिटाया जाता है? क्या अंधेरा ?से मिटता है? समझी नहीं तुम बात को। सास ने दीया जलाया, अंधेरा समाप्त हो गया। उपाय के बारे में हमारी जानकारी सही नहीं होती तो हम प्रयत्न तो करते हैं, परिश्रम करते हैं, पर अंधेरा मिटता नहीं।

भगवान राम सर्व शक्तिमान हैं , सभी शस्त्र-अस्त्र उनके पास

- संजय गोस्वामी

भगवान राम सर्व शक्तिमान हैं। धरती के एक योद्धा के रूप मे देखा जाए तो स्वयम भगवान कृष्ण विभूति योग में बोलते हैं, शस्त्र धारियों में मैं राम हूँ इससे स्पष्ट हो जाता है कि भगवान राम के पास जितने अस्त्र शस्त्र थे। उतने अस्त्र शस्त्र किसी भी योद्धा के पास नहीं थे। इसकी वजह है कि एक सर्वश्रेष्ठ योद्धा के पास जो अस्त्र शस्त्र हो सकते हैं, वो उन्हे ब्रह्मर्षि वशिष्ठ से शिक्षा में प्राप्त हुआ। परंतु ब्रह्मर्षि विश्वामित्र ने जो अस्त्र शस्त्र का निर्माण अपने तपस्या के बाद किया, उन्हें भी उन्होंने भगवान राम को दिया था। विश्वामित्र के अस्त्र शस्त्र किसी भी योद्धा के लिए दुर्लभ हैं। भगवान परशुराम भी भगवान राम को सर्व श्रेष्ठ ठहराकर विष्णु धनुष देकर जाते हैं।भगवान राम के चरण (पैर) को हिंदू ध में बहुत शक्तिशाली और पवित्र माना जाता है। उनके चरण, विशेष रूप से उनके चरण चिन्ह, भक्तों के लिए श्रद्धा और भक्ति का प्रतीक, हैभृकुटि विला सृष्टि लय होई। सपनेहुँ संकट परहिं को सोई।।अर्थात श्रीराम के भौंह उठाने भर से सृष्टि में प्रलय हो सकती है, उनके ऊपर सपने में भी संकट नहीं आ सकता। (अरण्य कांड)शिव जी पार्वती जी से कहते हैं-उमा काल मर जाकीं ईछा। सो प्रभु जन कर प्रीति परीछा।।हे उमा! जिसकी इच्छा मात्र से काल भी मर जाता है, वही प्रभु सेवक की प्रीति की परीक्षा ले रहे हैं (लंका कांड)लव निमेष महुँ भुवन निकाया। रचहि जासु अनुशासित माया।।अर्थात- पलक झपकते ही श्रीराम की आज्ञा से माया अनेकों ब्रहमांड की रचना करने में सक्षम है। (बाल कांड)खर दूषन त्रिसरा अरु बालि। बधे सकल अतुलित बलशाली।।पापिहु जाकर नाम सुमिरहिं। अति अपार भवसागर तरहिं।।इस तरह हम देखते हैं कि श्रीराम पूर्ण परमात्मा हैं, उनके सामर्थ्य का पता लगाना मनुष्यों के वश का नहीं है।श्रीरामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदासजी महाराज ने भगवान श्रीराम के चरणों के 5 चिह्नों ध्वज, वज्र, अंकुश, कमल और ऊर्ध्व रेखा का वर्णन किया है। वैसे अन्य पवित्र ग्रंथों को मिलाकर देखा जाए तो 48 शुभ चिह्नों की बात की गई है। दक्षिण चरण में 24 और वाम चरण में 24 शुभ चिह्न होते हैं। विशेष बात यह भी है कि जो चिह्न श्रीराम के दक्षिण चरण में हैं वे देवी सीता के वाम चरण में हैं और जो चिह्न राम जी के वाम चरण में हैं वे सीता जी के दक्षिण चरण में हैं।भगवान श्रीराम के दक्षिण चरणों के शुभ चिह्नों में ध्वजा भी है। इसका रंग लाल बताया गया है। इसे विचित्र वर्ण का कहा जाता है। इसके ध्यान से विजय तथा कीर्ति की प्राप्ति होती है। शुभ चिह्नों में चरण में वज्र का निशान भी होता है, इसका रंग बिजली जैसा होता है। इसे इंद्र का वज्र माना जाता है। जो लोग इसका ध्यान करते हैं, उनके पापों का क्षय होता है तथा बल की प्राप्ति होती है। अंकुश का रंग श्याम है। जो व्यक्ति इसका ध्यान करता है, उसे दिव्य ज्ञान की प्राप्ति होती है। संसार के विकारों का नाश होता है और मन पर नियंत्रण संभव हो जाता है। चरणों के शुभ अंकों में शामिल कमल का रं गुलाबी होता है। इस चिह्न को विष्णु-कमल कहा जाता है।इसका ध्यान करने वालों के यश में वृद्धि होती है तथा उनका मन प्रसन्न रहता है।इसी तरह शुभ चिह्नों में ऊर्ध्व रेखा होती है, जिसका रं गुलाबी है। इसका संबंध सनत, सनंदन, सनतकुमार और सनातन से हैं। जो व्यक्ति इस चिह्न का ध्यान करते हैं, उन्हें महायोग की सिद्धि होती है और वे भवसागर से पार हो जाते हैं। इन चिन्हों का ध्यान और चिंतन इसलिए लाभदायक होता है, क्योंकि ये भगवान श्रीराम के चरणों में मौजूद हैं। इसी प्रकार स्वस्ति का चिह्न होता है। इसका रंग पीला है। यह मंगलकारी एवं कल्याणकारी होता है। इस चिह्न का ध्यान करने वालों को सदैव मंगल एवं कल्याण की प्राप्ति होती है इसी तरह भगवान श्रीराम के दक्षिण चरण में अष्टकोण होता है, जिससे अष्ट सिद्धियां सुलभ हो जाती हैं। श्रीलक्ष्मीजी का चिह्न भी है जिनका ध्यान करने से ऐश्वर्य तथा समृद्धि की प्राप्ति होती है। हल, मूसल, सर्प (शेष), शर (बाण), अम्बर (वस्त्र), रथ, यव, कल्पवृक्ष, मुकुट, चक्र, सिंहासन, यमदंड, चामर, छत्र, नर (पुरुष), जयमाला आदि चिह्न भी मंगलकारी हैं। इन चिह्नों का ध्यान करने से श्रीराम के भक्तों का कल्याण होता है इसी प्रकार भगवान श्रीराम के वाम चरण के शुभ चिह्नों में सरयू है, जो व्यक्ति इस चिह्न का ध्यान करते हैं, उन्हें भगवान श्रीराम की भक्ति की प्राप्ति होती है तथा कष्ट दूर होते हैं। अन्य चिह्नों में गोपद है, इसका रंग सफेद और लाल है। यह कामधेनु का प्रतीक है। जो लोग इस चिह्न का ध्यान करते हैं, वे पुण्य, भगवद् भक्ति तथा मुक्ति के अधिकारी होते हैं। प्रभु चरण का अन्य चिह्न पृथ्वी है, इसका रंग पीला और लाल है। जो लोग इस चिह्न का ध्यान करते हैं, उनके मन में क्षमाभाव बढ़ता है। कलश का निशान भी भगवान के चरणों में है। यह अमृत स्वरूप है। इसका ध्यान करने वालों को भक्ति तथा अमरता प्राप्त होती है। इसी तरह पताका, जम्बू फल, अर्धचंद्र, शंख, षट्कोण, त्रिकोण, गदा, जीवात्मा, बिंदु, शक्ति, सुधा कुंड, त्रिवली, मीन, पूर्ण चन्द्र, वीणा, वंशी (वेणु), धनुष, तूणीर, हंस और चंद्रिका प्रभु श्रीराम के चरणों में उपस्थित हैं। इन चिह्नों को भगवान के चरणारविन्द भी कहा जाता है, क्योंकि ये सभी चिह्न मंगलकारी हैं।भगवान श्रीराम के चरणों में ये शुभ चिह्न समस्त विभूतियों, ऐश्वर्यों तथा भक्ति-मुक्ति के अक्षय कोष हैं। जो लोग भगवान श्रीराम के चरण-कमल चिह्नों का ध्यान एवं चिंतन करते हैं, उनका जीवन धन्य, पुण्यायी, सफल तथा सार्थक हो जाता है। भगवान के चरणारविन्द की महिमा निराली है। ये चरण चिह्न संत-महात्माओं तथा भक्तों के लिए सदैव सहायक और रक्षक हैं। सनातन ध में ध्यान और स्मरण का काफी महत्व है और यही गुण भगवान के प्रति प्रेम, आस्था और भक्ति को व्यक्त करते हैं। भगवान श्रीराम के स्मरण के साथ ही यदि उनके चरण चिह्नों का भी ध्यान कर लिया जाए तो कोई संदेह नहीं कि उनकी कृपा प्राप्त हो जाती है और सभी काम आसान हो जाते हैं।भगवान श्रीराम भारतीय संस्कृति और धर्म के आधार स्तंभ माने जाते हैं। उन्हें मयार्दा पुरुषोत्तम इसलिए कहा जाता है क्योंकि उन्होंने अपने पूरे जीवन में धर्म, सत्य, कर्तव्य और मयार्दा का पालन किया। श्रीराम का जीवन केवल एक कथा नहीं, बल्कि एक प्रेरणा है, जिससे हम जीवन में आदर्श व्यवहार, संयम, और सत्य की राह पर चलने की सीख ले सकते हैं। श्रीराम का जीवन परिचयश्रीराम त्रेतायुग में अयोध्या के राजा दशरथ और माता कौशल्या के पुत्र थे। वे विष्णु के सातवें अवतार माने जाते हैं, जिनका जन्म पृथ्वी से अधर्म और असत्य को समाप्त करने के लिए हुआ था। रामायण में महर्षि वाल्मीकि ने उनके जीवन का विस्तार से वर्णन किया है। राम का जीवन आदर्श पुत्र, आदर्श पति, आदर्श भाई, और आदर्श राजा का उदाहरण है। श्रीराम के जीवन से मिलने वाली सीखश्रीराम के जीवन से हमें कई महत्वपूर्ण बातें सीखने को मिलती हैं। उन्होंने हर परिस्थिति में अपने कर्तव्यों का पालन किया और धर्म के मार्ग से कभी विचलित नहीं हुए। जब पिता दशरथ ने उन्हें 14 वर्षों के लिए वनवास जाने का आदेश दिया, तब उन्होंने बिना किसी प्रश्न के आज्ञा का पालन किया। इससे हमें सिखने को मिलता है कि माता-पिता की आज्ञा का पालन करना हमारे कर्तव्य में शामिल है।

संविधान के अनुरूप नहीं हैं मतदाता

-कुमार कृष्णन

बिहार में हो रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की पोल खुल चुकी है। इसके नाम पर लोग बेदखल किए जा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय के सुझाव के बावजूद चुनाव आयोग के कान पर जू तक नहीं रेंग रही है। संभवतः कान, आंख, नाक किसी सत्ता प्रतिष्ठान के पास गिरवी है। आज हमने इस संदर्भ में अपनी बात रखने की कोशिश की। लोकतंत्र में मतदाता अगर बेदखल होता है तो इसका कोई मतलब नहीं है। अब यह मांग उठ रही है कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को संशोधित नहीं, रद्द किया जाए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के सवाल पर आयोजित जन सुनवाई में यह मांग रखी गयी। जन सुनवाई का आयोजन भारत जोड़ो अभियान, जन जागरण शक्ति संगठन, जन आंदोलनों का राष्ट्रीय गठजोड़ , समर चैरिटेबल ट्रस्ट, स्वराज अभियान और कोसी नवनिर्माण मंच ने किया था। इसमें यह बात कही गयी कि चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज ग्रामीण बिहारवासियों के लिए जमा कर पाना असंभव है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया संविधान की प्रस्तावना में दिए गए राजनीतिक न्याय और समानता के वादे के खिलाफ है।अनुचित दबाव में सिर्फ लक्ष्यों को पूरा करने के लिए चुनाव आयोग की अपनी ही प्रक्रियाओं का कई बार उल्लंघन हुआ है। इससे मतदाता सूची की गुणवत्ता अधिक बिगड़ेगी और चुनाव आयोग के उद्देश्य को नुकसान पहुँचेगा। पटना के बीआईए हॉल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर आयोजित जन सुनवाई में बिहार के 14 ज़िलों से लोगों आए हुए थे। कटिहार से आईं फूल कुमारी देवी ने बताया, मैं मजदूर हूं। बीएलओ ने मुझसे आधार और वोटर कार्ड की फोटोकॉपी मांगी। मैंने 4 किलोमीटर चलकर पासपोर्ट फोटो खिंचवाई। मेरे पास पैसे नहीं थे, इसलिए मैंने अपने राशन का चावल बेच दिया। दस्तावेज जुटाने में मेरे दो दिन की मजदूरी चली गई। मेरे पास चावल नहीं था, दो दिन भूखी रही। राज्य भर से आए प्रतिभागियों ने बताया कि गणना फॉर्म बीएलओ के बजाय कई बार वार्ड पार्षद, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता या सफाईकर्मी द्वारा बांटे गए। कई मतदाताओं को फॉर्म भरने का तरीका ही नहीं बताया गया। कई परिवारों में कुछ लोगों को फॉर्म मिला, कुछ को नहीं। पटना शहर में बिना फोटो वाला अनधिकृत फॉर्म बांटा गया। कई विवाहित महिलाओं को अपने मायके से दस्तावेज लाने में कठिनाई हुई। बीएलओ ने जिन दस्तावेजों को लिया (जैसे आधार और वोटर कार्ड), वे चुनाव आयोग की अधिकृत सूची में नहीं हैं। जन सुनवाई में आये सिर्फ 5 से कम लोगों को अपने फॉर्म पर रिसीविंग मिली। वे सभी जागरूक थे और दबाव डालने के बाद ही रिसीविंग मिली। कई मामलों में लोगों को पता ही नहीं था कि उनका फॉर्म बीएलओ ने पहले ही जमा कर दिया, बिना उनके हस्ताक्षर लिए। एक मामले में, जिसने इस पर सोशल मीडिया पर बात की, उसके करीबी लोगों को धमकियाँ मिलीं। गैर-पढ़े-लिखे मतदाताओं को फॉर्म भरवाने के लिए लगभग ?100 देने पड़े। कई बीएलओ बैंक पासबुक की कॉपी भी ली, जबकि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण में इसकी जरूरत नहीं बताई गई थी। कोई मानक प्रक्रिया नहीं थीः एक ही परिवार में पति की फोटो ली गई, पत्नी की नहीं। यह खेती का समय है। बिहार के सबसे गरीब लोग इस समय पंजाब में खेतों में काम कर रहे हैं। वे अधिकतर अनपढ़ हैं और उनके पास फॉर्म ऑनलाइन भरने की सुविधा नहीं है। कोसी नदी के बाढ़ प्रभावित गांवों में दस्तावेज बार-बार बाढ़ में बह जाते हैं, खासकर गरीब और दलित वर्ग के लोग इसका शिकार हैं। बीएलओ पर भारी दबाव है–जो नियमों का पालन कर रहे हैं उन्हें धीमा कहकर डांटा जा रहा है और वेतन रोकने की धमकी दी जा रही है। बीएलओ और आंगनवाड़ी सेविकाओं की इस प्रक्रिया में अत्यधिक व्यस्तता से शिक्षा और पोषण की जनकल्याणकारी योजनाओं को नुकसान हो रहा है। जन सुनवाई की पैनल में वजाहत हबीबुल्ला (पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त), न्यायमूर्ति अंजना प्रकाश (पूर्व न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय), प्रोफेसर दिवाकर (पूर्व निदेशक, ए. एन. सिन्हा संस्थान), जाँ द्रेज (अर्थशास्त्री), श्री भंवर मेघवंशी (सामाजिक कार्यकर्ता) और प्रोफेसर नंदिनी सुंदर (समाजशास्त्री) शामिल थे। न्यायमूर्ति अंजना प्रकाश ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा मांगे जा रहे दस्तावेज ग्रामीण बिहारवासियों के लिए जमा कर पाना असंभव है। पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त वजाहत हबीबुल्लाह ने बताया, प्रशासन का दुरुपयोग हो रहा है, यह लोगों की मदद नहीं बल्कि उन्हें परेशान कर रहा है। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया न संविधान के अनुसार है, न आरटीआई कानून के अनुरूप है। सामाजिक कार्यकर्ता भंवर मेघवंशी ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया संविधान की प्रस्तावना, जिसमें राजनीतिक न्याय और समानता का वादा है, के खिलाफ है। अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज ने कहा, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को संशोधित नहीं बल्कि रद्द किया जाना चाहिए। चुनाव आयोग की अपनी प्रक्रियाओं का कई बार उल्लंघन हुआ है। इससे मतदाता सूची की गुणवत्ता गिरेगी और उद्देश्य विफल होगा। समाजशास्त्री प्रो. नंदिनी सुंदर ने बताया, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। उन्होने उम्मीद जतायी कि हमारी आवाज सुनी जाएगी और हम आगे लड़ाई जारी रखेंगे। एएन सिन्हा संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. दिवाकर ने बताया कि आज हमारा लोकतंत्र न जनता का है, न जनता के लिए है, न जनता द्वारा है। हमें इसे वापस लाने के लिए संघर्ष करना होगा। जन सुनवाई में शाहिद कमाल , ऋषि आनंद , कामायनी स्वामी , महेंद्र यादव, जहीब , उमेश शर्मा आशीष रंजन , तन्मय ने भी हिस्सा लिया।
गया के परमेश्वर यादव, सहरसा के गोविंद पासवान, सहरसा की सुमित्रा देवी, पटना की राखी देवी, कहिटार के इशाक, अररिया की मुन्नी देवी समेत 25 लोगों ने अपनी बातें रखीं। मौके पर भारत जोड़ो अभियान के संयोजक योगेंद्र यादव, महासचिव अजीत झा ने भी अपनी बातें रखीं। जनसुनवाई में आयीं प्रमुख समस्याएं -जिन 11 दस्तावेजों को आयोग ने देने को कहा है, वह अधिकतर लोगों के पास है ही नहीं -आधार कार्ड लेकर फॉर्म जमा कराया जा रहा है, जबकि आयोग ने इसे मान्य नहीं बताया है -लोग वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर रहे हैं तो बताया जा रहा है कि फॉर्म पहले से जमा है -खेती के समय श्रमिक मजदूरी को छोड़ कागज बनाने में लगे हुए हैं, घूस भी देनी पड़ रही है -नेपाली की लड़की बिहार में ब्याही गयी, 20 वर्षों से वोटर हैं, अब माता-पिता की मतदाता सूची मांगी जा रही -किसी भी आवेदक को पावति नहीं दी जा रही है।

अंग्रेजी सेना से लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हुए थे अमर शहीद कुंवर चैन सिंह

-विमल जैन

देश में ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ पहली सशस्त्र क्रांति 1858 में प्रारंभ हुई और देश भर में अंग्रेजो के खिलाफ क्रांति की मशाल जलाई गयी तथा अनेक वीर सपूतों ने अंग्रेजी सेना से लड़ाई करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दिया। इस क्रांति का नायक शहीद मंगल पाण्डे को माना जाता है। मेरठ क्रांति के 33 साल पहले ही इस क्रांति की शुरूआत हो चुकी थी। मालवा अंचल में अनेक वीरों ने अंग्रेजी सेना से बगावत कर युद्ध लड़ा और अपने प्राणों का बलिदान किया। स्वतंत्रता के इतिहास में सीहोर जिले की अन्य घटनाओं के साथ ही अमर शहीद कुंवर चैन सिंह की शहादत भी स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है। सीहोर स्थित कुंवर चैन सिंह की छतरी पर गॉड ऑफ ऑनर की परम्परा मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2015 से शुरू की। सन 1818 में ईस्ट इंडिया कंपनी और भोपाल के तत्कालीन नवाब के बीच हुए समझौते के बाद कंपनी ने सीहोर में एक हजार सैनिकों की छावनी बनाई। कंपनी द्वारा नियुक्त पॉलिटिकल एजेंट मैडॉक को इस फौजी टुकड़ी की कमान सौंपी गई। समझौते के तहत मैडॉक को भोपाल सहित नरसिंहगढ़, खिलचीपुर और राजगढ़ रियासत से संबंधित राजनीतिक अधिकार दिए गए। इस फैसले को नरसिंहगढ़ रियासत के युवराज अमर शहीद कुंवर चैन सिंह ने गुलामी की निशानी मानते हुए स्वीकार नहीं किया और अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ विद्रोह कर दिया। उन्होंने अंग्रेजो के वफादार दीवान आनंदराम बख्शी और मंत्री रूपराम बोहरा को मार दिया। इन दोनों की हत्या के अभियोग से बचने के लिए अंग्रेजो ने कुछ शर्तें रखी जिसे कुंवर चैन सिंह ने ठुकरा दिया। अमर शहीद कुंवर चैन सिंह 24 जुलाई 1824 की दोपहर अपने घोड़े पर बैठकर कैम्प से बाहर जाने लगे तब अंग्रेजों के कर्मचारियों ने उन्हें यह कहते हुए रोका दिया कि आपको कैम्प से बाहर जाने की इजाजत नहीं है। इससे कुंवर चैन सिंह का स्वाभिमान आहत हुआ। उन्हें ब्रिटिश हुकुमत की गुलामी कतई स्वीकार नहीं थी। वे मेडॉक और जॉनसन के आदेश की अवहेलना कर कैम्प से बाहर चले गये। मना करने के बाद भी कुंवर चैन सिंह के बाहर चले जाने से युद्ध की आशंका के चलते मेडॉक ने सेना को बुलाने का प्रबंध किया और यह सेना डाबरी की छावनी, सीहोर की छावनी, भोपाल तथा होशंगाबाद से बुलाई थी।

आज का राशिफल

मेष सराहना की जाएगी। नौकरी की तैयारी करने वालों को कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकते हैं।	**तुला** मान-सम्मान में वृद्धि होगी। लोगों द्वारा कोई आयोजन करने की भी संभावना बन रही है।
वृषभ आज कई प्रकार की रुकावटों और समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।	**वृश्चिक** नौकरी करने वालों के लिए कार्यस्थल का माहौल सकारात्मक बना रहेगा।
मिथुन आज कीमती और खास चीज बहुत पहले खो गई थी, तो वह अब वापस मिल सकती है।	**धनु** परेशानी हो सकती है। इसी के चलते काम करने में मुश्किल का सामना करना पड़ सकता है।
कर्क आज कई बदलाव देखने को मिल सकते हैं। अगर कोई नया काम शुरू कर रहे हैं।	**मकर** आज आपकी मेहनत रंग ला सकती है। आज जो भी काम पूरी मेहनत और लगन से करेंगे।
सिंह प्रॉपर्टी से जुड़े मामले में फंसे थे तो वे अब हल हो सकते हैं। नौकरी वालों की आय में बढ़ोतरी होगी।	**कुंभ** आज आपका दिन थोड़ी मुश्किलों भरा हो सकता है। किसी बात से मन बेचैन रहेगा।
कन्या आज ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके सहयोगी अच्छे और शांत मूड में रहेंगे।	**मीन** आज आपको किसी भी प्रकार के सौदे या पैसों की लेनदेन में सावधान रहना होगा।

विशेष

चुनाव आयुक्त अपशकुनी

बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर केंद्रीय चुनाव आयोग ने भाजपा के लिए मुसीबत बढ़ा दी हैं। आधार, मतदाता कार्ड और राशन कार्ड की जगह अन्य 11 प्रमाण मांगने के बाद चुनाव आयोग और भाजपा की मिली भगत का खेल उजागर हो गया है। मतदाता सूची का यह दांव इतना उल्टा पडेगा। चुनाव आयोग और भाजपा ने यह सोचा भी नहीं था। ज्ञानेश कुमार को समझ नहीं आ रहा है, करें तो क्या करें। भाजपा के रणनीतिकारों को भी समझ में नहीं आ रहा है, क्या करें। मतदाता पुनरीक्षण से विहार का चुनाव जीतने की जो रणनीति बनाई थी, वह उल्टी पड़ जाएगी। यह सोच तो सपने मे भी नहीं आई थी। बिहार सहित देश के अन्य राज्यों में जिस तरह से चुनाव आयोग के खिलाफ माहौल देखने को मिल रहा है।

बिहार में जंगल राज?

बिहार में रोजाना हत्या और अपराध की बड़ी-बड़ी घटनाएं सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को उजागर करने में गोदी मीडिया भी पीछे नहीं है। ऐसा माना जा रहा है, नीतीश कुमार को निपटाने के लिए एक सुनियोजित साजिश है। नीतीश कुमार मुख्यमंत्री के साथ-साथ गृहमंत्री भी हैं। जिस जंगल राज के बल पर वह मुख्यमंत्री बने थे। वही जंगल राज उन्हें सत्ता से बाहर करेगा। भाजपा और पासवान कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। नीतीश कुमार जब मुख्यमंत्री पद से हटेंगे। तभी जाकर युवा पासवान मुख्यमंत्री बन सकते हैं। नीतीश कुमार को हटाना पहला लक्ष्य है। इसलिए गोदी मीडिया को सुपारी दी गई है। गोदी मीडिया जिसकी सुपारी लेता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1206: कुतुबुद्दीन ऐबक की ताजपोशी लाहोर में हुई. 1783: दक्षिण अमरीकी देशों की स्वतंत्रता के नायक साइमन बोलिवार का जन्म हुआ. 1799: फ्रांस के नेपोलियन बोनापार्ट ने तुर्की के सैनिकों को अबूकिर मिस्त्र में शिकस्त दी. 1802: फ्रांसिसी उपन्यासकार अलेक्जेंडर ड्यूक का जन्म. 1847 पुर्तगाल में गृहयुद्ध समाप्त हुआ. 1942: द्वितीय विश्वयुद्ध में ब्रिटिश बमबारी ने जर्मनी के फ्रैंकफर्ट और मैनहीम शहर को तबाह किया. 1946: अमरीका ने पानी के भीतर परमाणु परीक्षण किया. 1969: अपोलो प्रशांत महासागर में सुरक्षित उतरा. 1971: सुडान में आपात स्थिति लागू. 1973: जापानी विमान के चार अपहताओं ने यात्रियों को रिहा कर विमान को उड़ा दिया बाद में उन्हें लीबिया में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. 1976: अमरीकी अंतरिक्ष यान वाइकिंग-1 मंगल ग्रह पर उतरा.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	07.14 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कन्या	09.26 बजे से
मंगल	सिंह में	तुला	11.37 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	13.52 ब.से
गुरु	मिथुन में	धनु	16.08 बजे से
शुक्र	वृष में	मकर	18.13 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	19.59 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	21.32 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	23.03 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		वृष	00.43 बजे से
		मिथुन	02.41 बजे से
		कर्क	04.54 बजे से

2025 वर्ष का 205 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि अमावस्या 00.41 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पुनर्वसु 16.44 बजे को समाप्त। **योग** हर्षण 09.51 बजे को समाप्त। **करण** चतुष्पद 13.32 बजे तदनन्तर नाग 00.41 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 19° 51'
सूर्य उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872415
जूलियन दिन 2460880.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 28
विशेष श्रावण अमावस्या, हरियाली अमावस्या, आदि अमावसई।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

आपके लिए हानिकारक होते हैं केमिकल में पकाए हुए फल

दूध और हरी सब्जियों के अलावा फल भी हमारी सेहत के लिए अच्छे माने जाते हैं। सेब, अनार, केला, संतरा और पपीता ऐसे फल हैं, जो पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। अगर आप सप्ताह में दो दिन किसी भी फल का सेवन करते हैं, तो आप बीमारियों से बचे रहने के साथ आपकी इम्युनिटी भी बढ़ती है लेकिन क्या आप जानते हैं कि नेचुरल तरीके से पके फल ही आपकी सेहत के लिए अच्छे होते हैं। केमिकल में पकाए हुए फल आपके लिए बहुत हानिकारक होते हैं। ऐसे में आपको पहचान होनी चाहिए कि जो फल आप खा रहे हैं, कहीं वे किसी केमिकल में तो नहीं पकाए गए हैं।

- केमिकल्स से पके फलों को पहचानने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आपको उस फल पर हरे पैचेज देखने को मिलेंगे। जिस हिस्से पर केमिकल लगा होगा, वे पीला रहेगा बाकी बीच-बीच में हरा दिखाई देगा, जबकि प्राकृतिक रूप से पके हुए फल में हरे-पीले रंग के कोई पैचेज नहीं दिखाई देंगे।
- केमिकल से पकाए हुए आम को काटने पर वे अंदर से कहीं पर पीला तो कहीं पर सफेद रंग का नजर आएगा। जबकि पेड़ पर प्राकृतिक रूप से पका हुआ फल पूरी तरह पीला नजर आता है।
- केमिकल से पके हुए फल का छिलका ज्यादा पका हुआ होगा लेकिन अंदर से इसमें कच्चापन हो सकता है।
- केमिकलयुक्त फल खाने पर मुंह का स्वाद कसैला हो जाता है और मुंह में हल्की जलन भी होने लगती है। इसके अलावा कई बार ऐसे फल खाने के कुछ देर बाद पेट दर्द या उल्टी की समस्या या डायरिया की शिकायत भी हो सकती है।

रखें सावधानियां

- आपको बाजार से लाकर फल को और भी अच्छी तरह धो लेना चाहिए। फल खरीदकर लाने के तुरंत बाद उसे पानी से अच्छी तरह धो लें।
- खाने से पहले आम को गुनगुने पानी में कम से कम 5 मिनट के लिए भिगोकर जरूर रखें। उसके बाद उन्हें दोबारा दूसरे पानी से धोकर ही खाएं।

ड्योडरेंट, परफ्यूम, जैसे केमिकल व गैस वाली चीजों को सूंघने से पड़ सकता है कार्डियक अरेस्ट

शरीर की पांच इंद्रियों में से एक सूंघने की शक्ति है। कुछ चीजों की गंध नाक और दिमाग को बहुत पसंद आती है। फूल, गीली मिट्टी से शुरू होकर यह ड्योडरेंट, परफ्यूम, पेंट, नेल पेंट रिमूवर, पेट्रोल, मिट्टी का तेल तक जा सकती है। मगर क्या आप जानते हैं कि ड्योडरेंट, परफ्यूम, जैसे केमिकल व गैस वाली चीजों को सूंघने से कार्डियक अरेस्ट पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक डॉनकेस्टर में रहने वाले 12 साल के लड़के को कथित तौर पर पसीना रोकने वाला ड्योडरेंट सूंघना भारी पड़ गया। वह सोशल मीडिया पर चल रहा ट्रेंड फॉलो कर रहा था, जिसमें ड्योडरेंट की कैन से पदार्थ सीधा सूंघना था। इंटरनेट पर चल रहे इस ट्रेंड को काफी फैन्सी नाम दिया गया है। इस ट्रेंडल को क्रोमिंग कहते हैं। इसमें ड्योडरेंट, हेयरस्प्रे, नेल पेंट रिमूवर, पेट्रोल आदि को सूंघना होता है। इस इंटरनेट स्लैंग का जन्म ऑस्ट्रेलिया में माना जाता है। जिसका शरीर पर खतरनाक असर हो सकता है और जान जा सकती है।

लड़के को आया कार्डियक अरेस्ट

रिपोर्ट में पीड़ित की मां ने बताया कि पदार्थ सूंघने के बाद उसे जमीन पर दौरे आ रहे थे। उसे तुरंत सीपीआर दिया गया और एंबुलेंस को बुलाया गया। अस्पताल में पहुंचकर और दौरे पड़े और कोमा की स्थिति में पहुंच गया।

क्रोमिंग कैसे करते हैं?

द रॉयल चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल मेलबर्न के मुताबिक क्रोमिंग का असली मतलब क्रोम-बेस्ड पेंट को सूंघना था। मगर समय के साथ यह बदल गया है और इसमें नशा करने के लिए खतरनाक चीजों का इस्तेमाल करना भी जुड़ गया है। इसमें लोग कपड़े पर पदार्थ डालकर या सीधा कंटेनर से उसे भारी मात्रा में सूंघते हैं।

इन चीजों से होती है क्रोमिंग

- पेट्रोल या मिट्टी का तेल या उससे बनी चीजें
- पेंट थिनर, स्प्रे पेंट, परमानेंट मार्कर
- नेल पोलिश रिमूवर
- हेयरस्प्रे, ड्योडरेंट, लाइटर फ्लूइड, आदि
- क्रोमिंग का खतरनाक असर
- क्रोमिंग का खतरनाक असर
- सिरदर्द, चक्कर आना
- धड़कन तेज होना, टैकिडाइस्रिदमिया
- दौरे पड़ना
- डिस्पोनिया
- डिमेंशिया, एटेक्सिया
- कार्डियक अरेस्ट, आदि

कैसे पड़ता है कार्डियक अरेस्ट का अटैक

कार्डियक अरेस्ट दिल से जुड़ा अटैक है। इसमें दिल अचानक से धड़कना बंद कर देता है। इसकी वजह से दिमाग को ताजा और ऑक्सीजन से भरपूर खून नहीं मिला पाता और बेहोशी या मौत हो सकती है। इस स्थिति में मरीज को तुरंत अस्पताल ले जाना चाहिए।

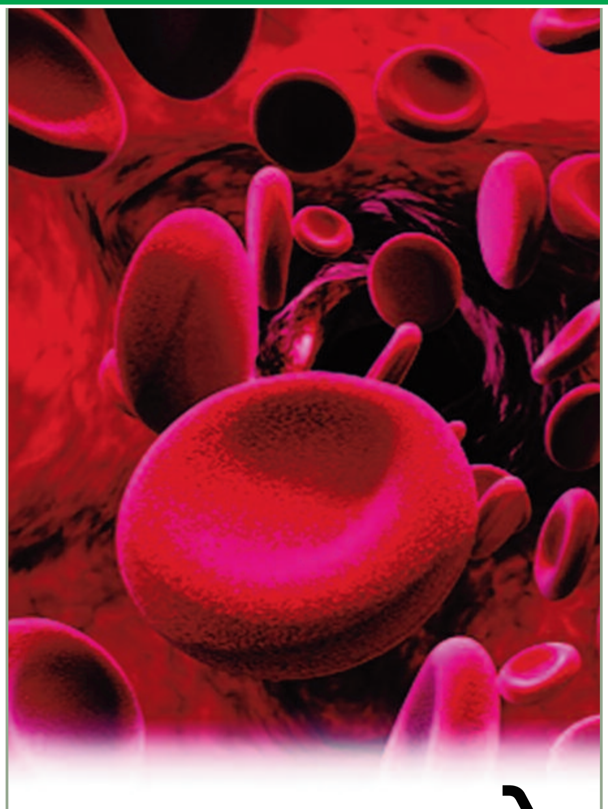

खानपान के माध्यम से आसानी से बढ़ाएं प्लेटलेट्स

एक स्वस्थ शरीर की निशानी है शरीर में प्लेटलेट्स की सही मात्रा होना एवं उनका सही तरीके से काम करना। लेकिन प्लेटलेट्स की कमी होने का नुकसान आपके शरीर एवं स्वास्थ्य को भुगतना पड़ता है। अपने खानपान के माध्यम से आप आसानी से प्लेटलेट्स की संख्या में इजाफा कर सकते हैं।

- प्रोटीन, विटामिन ए, सी, के, फोलेट, जिंक, फोलिक एसिड, सेलेनियम आदि पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेना, प्लेटलेट्स में वृद्धि करने में कारगर उपाय साबित होगा।
- अपनी डाइट में दही, आंवला, लहसुन, ग्रीन टी के साथ ही नारियल पानी और अनार, पपीता, सेब, चुकंदर जैसे फलों को भी शामिल करें साथ ही पपीते के पत्तों का रस पीना भी एक लाभप्रद उपाय है।
- रोजाना एलोवेरा का सेवन भी इसके लिए फायदेमंद है। 20 से 25 ग्राम की मात्रा में प्रतिदिन एलोवेरा का गुदा खाएं या फिर इसका जूस बनाकर पिएं।
- व्हीटग्रास यानि ज्वारों का उपयोग भी प्लेटलेट्स को बढ़ाने में काफी मददगार है। रोजाना सुबह खाली पेट ज्वारे का रस निकालकर पीने से धीरे-धरे प्लेटलेट्स की संख्या में इजॉफा होगा।
- गिलोय का प्रयोग भी इसके लिए एक रामबाण उपाय है। गिलोय को तुलसी के साथ मिलाकर दोनों को अच्छी तरह उबालें और काढ़ा तैयार करें। इस काढ़े का रोजाना प्रयोग लाभदायक होगा।

आम तौर पर खून की कमी को एनीमिया के रूप में देखा जाता है। आयरन की कमी होना भी इसका एक प्रमुख कारण है। छोटे बच्चों, महिला खिलाड़ियों, सर्जरी या एक्सीडेंट के मरीजों में एनीमिया का खतरा अधिक होता है।

वहीं महिलाओं में माहवारी के दौरान होने वाले रक्तस्त्राव एवं गर्भावस्था के कारण यह समस्या हो सकती है।

रक्ताल्पता से बचने के आसान टिप्स

- एनीमिया की समस्या से बचने के लिए, रेड मीट, सी-फूड और अंडा फायदमंद होता है। लेकिन अगर आप शाकाहारी हैं, तो सोयाबीन, मटर, सूखे मेवे और एप्रिकॉट आपके लिए बेहतर विकल्प है।
- ताजी हरी सब्जियों के साथ मक्का और अलग-अलग तरह की दालों को अपने भोजन में शामिल करें। इससे शरीर में आयरन की कमी नहीं होगी, जो एनीमिया का प्रमुख कारण है।
- नाश्ते और खाने में फलों को शामिल करें। इनमें मौजूद विटामिन-सी, शरीर में आयरन को सोखने में एवं उसकी क्षमता बढ़ाने में सहायक होता है।
- चाय या कॉफी को ज्यादा कड़क करके न पिएं, इससे शरीर को आयरन को सोखने में कठिनाई होती है ।
- बगैर डॉक्टर की सलाह के, आयरन की गोलियों का सेवन बिल्कुल न करें। खून की जांच और डॉक्टर की सलाह लेने के बाद ही इनका सेवन करें, क्योंकि शरीर में आयरन की अधिकता आपके लिए मुसीबत बन सकता है।

स्किन एलर्जी से परेशान लोग

अपनाएं ये घरेलू उपाय

घरेलू उपचार हमेशा से ही भारतीय घरों का हिस्सा रहे हैं। यदि पेट में दर्द हो या फिर कहीं चोट-खरोंच लग गई हो, घर वाले डॉक्टर के जाने से पहले घरेलू नुस्खे आजमाने की नसीहत देंगे। इन घरेलू उपचारों में काफी दम होता है, इसलिए यह स्किन में होने वाली छोटी-मोटी एलर्जी को भी ठीक कर सकते हैं। स्किन एलर्जी आज-कल हर किसी के लिए समस्या बनी हुई है। कभी किसी खाने के चलते तो कभी किसी क्रीम या कॉस्मेटिक के चलते स्किन पर रैशेज, पिंपल और खुजली की समस्या होने लगती है, जो कई बार चेहरे और शरीर पर कई तरह के निशान भी छोड़ जाती है। स्किन एलर्जी फूड एलर्जी से काफी अलग होती है और काफी परेशान भी करती है। स्किन एलर्जी में कई बार शरीर में दाने, या फिर हल्के लाल धब्बे आने लगते हैं। स्किन एलर्जी खासकर तब होती है, जब कोई इरिटेंट या फिर एलर्जी आपकी त्वचा के संपर्क में आती है और आपका इम्यून सिस्टम उन्हें रोकने के लिए एंटीबॉडी रिलीज करती है। कई बार यह एलर्जी सामान्य तो कभी गंभीर हो सकती है। अगर आप भी त्वचा की एलर्जी के लक्षण खुद में नजर आ रहे हैं, तो तुरंत राहत पाने के लिए आप इन घरेलू उपायों को अपना सकते हैं-

नारियल का तेल

नारियल का तेल स्किनकेयर के लिए सबसे बेहतरीन तेल है। इसमें मॉइस्चराइजिंग गुण होते हैं जो एलर्जी होने की स्थिति में यह त्वचा को सुरक्षित करता है। यही नहीं, नारियल का तेल एलर्जी के कारण होने वाली खुजली को भी कम करता है।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कटोरी में थोड़ा सा नारियल तेल लें और इसे 5 सेकेंड के लिए थोड़ा गर्म करें। फिर इस गर्म तेल को उस जगह पर लगाएं, जहां आपको एलर्जी के लक्षण दिखाई दे रहे हैं। याद रहे इसे एलर्जी वाले जगह पर लगाकर छोड़ दें, मालिश न करें। इसे एक घंटे के लिए छोड़ दें। आप नारियल तेल का इस्तेमाल 3-4 घंटों के बाद फिर कर सकते हैं। इससे स्किन एलर्जी से छुटकारा मिलेगा।

एप्पल साइडर विनेगर

एप्पल साइडर विनेगर को सामान्य तौर पर लोग वजन कम करने और पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए करते हैं। लेकिन, यह सिर्फ वजन कम करने या डायजेशन को ठीक करने में ही नहीं, बल्कि शानदार स्किनकेयर एजेंट भी है। इसमें एसिटिक एसिड होता है जो त्वचा में होने वाली खुजली और एलर्जी के प्रभाव को कम ककरात है। हालांकि, सेंसेटिव स्किन पर इसके इस्तेमाल की सलाह नहीं दी जाती है।

कैसे करें इस्तेमाल

एक कप गर्म पानी में एक टेबलस्पून एप्पल साइडर विनेगर मिलाएं। अब कॉटन की हेल्प से इस मिश्रण को इफेक्टिव एरिया में लगाएं। अब इसे सूखा होने के लिए छोड़ दें और फिर ठंडे पानी से धो लें। स्किन एलर्जी से छुटकारा पाने के लिए दिन में कम से कम दो बार ऐसा कर सकते हैं।

आंखों में ताजगी भरकर शरीर को बनाएं एनर्जेटिक

लंबे समय तक काम करने, मोबाइल पर व्यस्त रहने या टीवी देखने के कारण भी आंखों में थकान हो जाती है। इस कारण पूरे चेहरे का नूर गायब हो जाता है। साथ ही आप मानसिक रूप से भी थका हुआ अनुभव करने लगते हैं। यहां बताए गए तरीकों से आंखों में ताजगी भरकर आप पूरे शरीर को एनर्जेटिक बना सकते हैं.

आपके शरीर पर थकान का सबसे पहला असर आपकी आंखों पर दिखता है। आंखें इतनी अधिक संवेदनशील होती हैं कि आप शारीरिक और मानसिक तौर पर कैसा अनुभव कर रहे हैं, इसकी साफ-साफ झलक आपकी आंखों में देखी जा सकती है। थकान होने पर आंखों के चारों तरफ काले घेरे अधिक डार्क हो जाते हैं और आंखों की चमक फीकी पड़ जाती है। यहां जानें इस स्थिति में किस तरह आंखों में तुरंत चमक बढ़ाई जा सकती है और थकान को दूर किया जा सकता है.

आंखों की थकान दूर करने का सबसे आसान तरीका

- बोझिल आंखों में नई जान फूंककर फिर से चमक बढ़ानी है तो अपने दोनों हाथों की हथेलियों को आपस में रगड़ें।
- थेली रगड़ने की शुरुआत धीमी गति से करें और फिर धीरे-धीरे स्पीड बढ़ा दें। जब हथेलियां पूरी तरह गर्माहट देने लगें तो धीमी गति के साथ ही इन्हें रगड़ना बंद करें और अपनी आंखों पर 30 सेकंड्स के लिए रख लें।
- एक समय पर आप दो बार इस प्रक्रिया को दोहराएं आपको बहुत अधिक लाभ मिलेगा। क्योंकि हथेलियों को रगड़ने से एक्युप्रेशर पॉइंट्स पर दबाव पड़ता है और शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है।
- हथेलियों की गर्माहट से आंखों का तनाव कम होता है और शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने से स्फूर्ति आती है।

आंखों की थकान दूर करने का तरीका

आंखों को ठंडे पानी से धोएं

- आंखों की थकान दूर करने का दूसरा आसान तरीका है कि आप अपनी आंखों को ठंडे पानी से धुलें। इसके लिए फ्रिज का पानी और सामान्य पानी को आधा-आधा मिला लें। अब इस पानी से आंखों पर छींटे दें। आपको तुरंत ताजगी का अनुभव होगा।

ठंडे दूध का उपयोग

- फ्रिज में रखे हुए दूध को दो चम्मच निकाल लें। अब इस दूध में रुई को भिगोकर दोनों आंखों पर रख लें। करीब 3 से 4 मिनट के लिए रूई को आंखों पर रखने के बाद इसे हटा दें और आखों को ताजे पानी से साफ कर लें। आप एक नई ऊर्जा का संचार अपने अंदर अनुभव करेंगे।

बर्फ से सेक करें

- आंखों के नीचे की सूजन कम करने, डार्क सर्कल का असर हटाने और थकान मिटाने के लिए आप आइस क्यूब्स का उपयोग करें।
- फ्रिज से आइसक्यूब निकालें उसे हल्का-सा धुल लें। इसके बाद कॉटन के साफ रुमाल में लपेटकर आंखों की सिकाई करें। बस 2 से 3 मिनट की सिकाई काफी है और आपकी आंखों में ताजगी नजर आएगी।

1300 पर जाएगा टीसीपीएल का शेयर

खरीदने की मची है लूट, कंपनी को 331 करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा टी के मालिक टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) के शेयरों में गुरुवार, 24 जुलाई को अच्छी तेजी देखी गई। कंपनी के शेयर आज 3 प्रतिशत तक चढ़कर 1104.80 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे जून तिमाही के शानदार नतीजे हैं। दरअसल, एफएमसीजी कंपनी ने जून में समाप्त तिमाही के लिए अच्छे परिणाम की सूचना दी और चाय की कीमतों में नरमी के कारण आगामी तिमाही में मार्जिन में सुधार की उम्मीद जताई।

जून तिमाही के नतीजे

टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लि. का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में 14.7 प्रतिशत बढ़कर 331.75 करोड़ रुपये रहा है। टाटा समूह की इकाई टीसीपीएल ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी है। कंपनी को एक साल पहले 2024-25 की इसी तिमाही में 289.25 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। आलोच्य तिमाही में कंपनी की

परिचालन आय 9.8 प्रतिशत बढ़कर 4,778.91 करोड़ रुपये हो गयी। एक साल पहले इसी तिमाही में यह 4,352.07 करोड़ रुपये थी। टीसीपीएल का कुल व्यय आलोच्य तिमाही में 10.9 प्रतिशत बढ़कर 4,354.66 करोड़ रुपये रहा।

कंपनी ने क्या कहा

कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ सुनील डिसूजा ने कहा, ''हमने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में दहाई अंक में शुद्ध लाभ वृद्धि के साथ राजस्व में भी 10 प्रतिशत बढ़ोतरी दर्ज की।'' उन्होंने कहा, ''तिमाही के दौरान, हमने चाय और नमक, दोनों क्षेत्रों में भारतीय कारोबार में दहाई अंक की वृद्धि दर्ज की, जो मात्रा वृद्धि के कारण संभव हुई। टाटा संपन्न ने अपनी मजबूत प्रगति जारी रखी है...।' टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स को उम्मीद है कि दिसंबर तिमाही तक उसके ब्रांडेड चाय के मार्जिन में सुधार आएगा, जिसमें नीलामी कीमतों में गिरावट और लागत मुद्रास्फीति में सुधार से मदद मिलेगी। चाय की कीमतें टाटा कंज्यूमर के राजस्व का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और प्रतिकूल मौसम और आपूर्ति की कमी के बीच 2024 से ही इनमें बढ़ोतरी हो रही है। टाटा टी के मालिक को उम्मीद है कि दूसरी तिमाही के बदलाव के साथ कीमतों में गिरावट आएगी।

शेयर पर एनालिस्ट की राय

जापान स्थित ब्रोकरेज फर्म नोमुरा ने टाटा कंज्यूमर को 1,300 रुपये प्रति शेयर के लक्ष्य मूल्य के साथ खरीदें रेटिंग दी है। पहली तिमाही की बिक्री उम्मीद के मुताबिक रही, हालांकि ई बी आई टी डी एउम्मीद से थोड़ा कम रहा। ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि कंपनी को दूसरी छमाही में दोहरे अंकों में बिक्री वृद्धि और मजबूत मार्जिन रिकवरी हासिल करने का भरोसा है। मॉर्गन स्टेनली ने 1,255 रुपये प्रति शेयर के लक्ष्य मूल्य के साथ अपना ओवरवेट टैग बरकरार रखा। राजस्व और ई बी आई टी डीमार्जिन दोनों ब्रोकरेज फर्म के अनुमानों से बेहतर रहे। ब्रोकरेज फर्म को उम्मीद है कि मार्जिन क्रमिक रूप से सुधरेंगे और सामान्य स्तर पर लौट आएंगे। मोतीलाल ओसवाल ने बताया कि कंपनी ने तीसरी तिमाही तक समेकित ई बी आई टी डी मार्जिन के धीरे-धीरे लगभग 16 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान लगाया है। ब्रोकरेज ने अपनी खरीद कॉल को बरकरार रखा, तथा प्रति शेयर 1,270 रुपये का लक्ष्य मूल्य बढ़ाया।

कंपनी को सऊदी अरब से मिला 2332 करोड़ का बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। वीए टेक वाबैग के यह उछाल कंपनी वीए टेक वाबैग को सऊदी अरब से मिले एक बड़े ऑर्डर की खबर के बाद आज उसके शेयरों में करीब 5 प्रतिशत तक की बढ़त देखी गई। कंपनी ने बताया कि उसे सऊदी अरब में यानबु शहर में एक विशाल समुद्री जल शोधन संयंत्र (300 मिलियन लीटर प्रतिदिन क्षमता) बनाने का 2,332 करोड़ का ठेका मिला है। यह प्रोजेक्ट सऊदी वाटर अथॉरिटी ने दिया है। कंपनी पूरी तरह से हरा-भरा (ग्रीनफील्ड) इलाका चुने जाने वाले इस प्लांट का डिजाइन, इंजीनियरिंग, सप्लाई, निर्माण और कमीशनिंग करेगी। अनुबंध की औपचारिकताएं शुरू होने वाली हैं।

पिछले साल रद्द हुआ था प्रोजेक्ट- दिलचस्प बात यह है कि पिछले साल दिसंबर में सऊदी अथॉरिटी ने वीए टेक वाबैग का लगभग इसी तरह का एक 2,700 करोड़ का प्रोजेक्ट रद्द कर दिया था। उस समय कहा गया था कि कैंसिलेशन आंतरिक प्रशासनिक कारणों से हुआ है।

शेयर ट्रेंड

गुरुवार को कंपनी के शेयर 4.9 प्रतिशत चढ़कर 1,672.10 के दिन के उच्चस्तर पर पहुंचे। सुबह 9:35 बजे तक शेयर 3.09 प्रतिशत ऊपर था। हालांकि, शेयर मर्केट डगमगाया तो इसके भी शेयर डे हाई से फिसल गए। साढ़े दस बजे के करीब 1 पर्सेंट ऊपर 1609 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे। पांच दिन में यह स्टॉक 7 फीसद से अधिक चढ़ा है। जबकि, पिछले एक महीने में 8 और छह महीने में 20 पर्सेंट से अधिक उछला है।

पावर कंपनी के शेयर में हाहाकार, सीधे 26 प्रतिशत टूट गया भाव

139 पर आ गया दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन एनर्जी एक्सचेंज के शेयर में आज गुरुवार को भूचाल आ गया। कंपनी के शेयर आज 26 प्रतिशत तक टूट गए और 139.05 रुपये के इंट्रा डे लो पर आ गए थे। इस भयंकर गिरावट के पीछे कंपनी के लिए एक निगेटिव खबर है। दरअसल, देश के पावर रेगुलेटरी, केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग द्वारा अगले साल से बाजार युग्मन लागू करने की घोषणा के बाद यह गिरावट आई। इसके अलावा, आज पहली तिमाही के नतीजों की घोषणा से पहले आईईएक्स का शेयर भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

क्या है डिटेल- केंद्रीय विद्युत नियामक आयोग (सीईआरसी) द्वारा भारत में बिजली बाजार युग्मन को लागू करने के अपने फैसले की औपचारिक घोषणा की गई है। सीईआरसी द्वारा जनवरी 2026 तक डे-अहेड मार्केट से शुरू होने वाले पावर मार्केट कपलिंग को लागू करने के निर्णय के बाद इंडियन एनर्जी एक्सचेंज के शेयरों में 26 प्रतिशत की गिरावट आई। बता दें कि इस कदम का उद्देश्य पावर एक्सचेंजों में प्राइस तय को इंटीग्रेट करना है, जिससे द्वश्वङ्ग के बाजार संचालन और व्यापार की मात्रा पर संभावित रूप से प्रभाव पड़ सकता है। इसके बाद से ही निवेशकों में हलचल है और वे फटाफट शेयर बेचने लग गए।

फ्री का जमाना गया
बैंक अब हर छोटी सेवा पर भी कर रहे चार्ज

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकों के कई तरह के चार्ज ग्राहकों की जेब पर भारी पड़ते जा रहे हैं। पिछले पांच-छह सालों में बैंकों ने हर छोटी-बड़ी सेवा पर शुल्क लगाना शुरू कर दिया है। अब तो तुरंत पैसा भेजने-पाने वाली आईएमपीएस सेवा पर भी शुल्क लादा जा रहा है। साथ ही कई तरह के पुराने शुल्क भी बढ़ा दिए गए हैं। वहीं दूसरी ओर, ग्राहकों को मिलने वाली सुविधाएं भी कम होती जा रही हैं।

नकद लेनदेन भी हुआ महंगा- बैंकों ने नकद लेनदेन के नियमों में भी बड़ा बदलाव किया है। अब कई बैंकों में ग्राहक महीने में सिर्फ तीन बार ही बिना शुल्क के शाखा या कैश मशीन (सीआरएम) से नकद जमा या निकासी कर सकते हैं। पहले यह सीमा पांच बार हुआ करती थी। अगर कोई ग्राहक इस सीमा से ज्यादा बार अपने खाते से नकद निकालेगा तो उसे हर बार 150 रुपये का भारी शुल्क देना होगा। साथ ही, अगर कोई एक महीने में एक लाख रुपये से ज्यादा नकद जमा करता है तो उस पर भी 150 रुपये का शुल्क लगेगा।

अब कुछ भी मुफ्त नहीं

आज हालत ये है कि बैंक में पासबुक अपडेट कराना हो, अपने हस्ताक्षर सत्यापित करवाने हों, या कोई अन्य छोटी सी भी सेवा लेनी हो, हर चीज के लिए ग्राहकों को शुल्क चुकाना पड़ता है। इसी कड़ी में पिछले मई में बैंकों ने एटीएम से महीने में पांच बार से ज्यादा पैसे निकालने पर भी शुल्क बढ़ा दिया था। अब हर अतिरिक्त निकासी पर 23 रुपये का चार्ज लगता है। इसके अलावा, पहली जुलाई से कुछ खास क्रेडिट कार्ड लेनदेन पर भी नए शुल्क लागू कर

● **सुविधाएं हो रहीं कम-** ग्राहकों को मिलने वाली सुविधाओं में भी कटौती की जा रही है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपने क्रेडिट कार्ड्स पर मिलने वाले फायदे घटा दिए हैं। 15 जुलाई से एसबीआई के प्राइम और पल्स क्रेडिट कार्ड पर मिलने वाला 50 लाख रुपये का मुफ्त हवाई दुर्घटना बीमा भी बंद कर दिया गया है।

आ रहा है आईएमपीएस पर भी शुल्क का तूफान

एसबीआई ने 15 अगस्त से तुरंत पैसा ट्रांसफर करने वाली आईएमपीएस सेवा पर भी शुल्क लगाने का फैसला किया है। उम्मीद की जा रही है कि दूसरे बैंक भी जल्द ही आईएमपीएस पर शुल्क लगाने की घोषणा कर देंगे। हालांकि कई निजी बैंक पहले से ही ऑनलाइन आईएमपीएस पर शुल्क वसूल रहे हैं, लेकिन एसबीआई के इस कदम के बाद वे भी अपने शुल्क बढ़ा सकते हैं।

30 जुलाई से खुल रहा श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी का आईपीओ
शाहरुख, अमिताभ समेत कई बड़े सितारों का है दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। निवेश के लिए इन दिनों एक के बाद एक बड़े आईपीओ लॉन्च हो रहे हैं। इस बीच अब एक और दिग्गज कंपनी का इश्यू आ रहा है। इसमें अमिताभ बच्चन से लेकर शाहरुख खान तक का पैसा लगा हुआ है। यह आईपीओ श्री लोटस डेवलपर्स एंड रियल्टी लिमिटेड का है। कंपनी का यह इश्यू निवेश के लिए 30 जुलाई को खुलेगा और 1 अगस्त को बंद होगा। इसका लक्ष्य 5.28 करोड़ नए इक्विटी शेयरों के जरिए 792 करोड़ रुपये जुटाना है। इसका प्राइस बैंड 140 रुपये से 150 रुपये के बीच है। इस आईपीओ में बिक्री का प्रस्ताव शामिल नहीं है और इसका लॉट साइज 100 शेयरों का है।

क्या है डिटेल- कंपनी के आईपीओ का अलॉटमेंट 4 अगस्त को तय किया गया है। इसमें शेयरों का क्रेडिट और रिफंड 5 अगस्त को होगा। स्टॉक एक्सचेंजों में लिस्टिंग 6 अगस्त को होने की उम्मीद है, जिसमें मोनार्क नेटवर्थ कैपिटल और मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स प्रमुख प्रबंधक होंगे। आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग मुख्य रूप से सहायक कंपनियों रिचफील रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड, ध्यान प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड और त्रिक्षा रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के फाइनेंस के लिए किया जाएगा, जिसमें 550 करोड़ रुपये अमाल्फी, द आर्केडियन और वरुण जैसी चल रही परियोजनाओं के विकास और निर्माण के लिए निर्धारित किए गए हैं।

दिग्गजों का है दांव- कंपनी को आशीष कचोलिया जैसे अनुभवी निवेशकों का समर्थन प्राप्त है, जबकि शाहरुख खान, अमिताभ बच्चन, ऋतिक रोशन, एकता कपूर, जितेंद्र, टाइगर, जैकी श्रॉफ, शैलेश लोढ़ा, मनोज वाजपेयी और अन्य हस्तियां भी कंपनी की शेयरधारक सूची का हिस्सा हैं।

उत्तराधिकार से बदलता भारत का कॉर्पोरेट चेहरा, मुख्य भूमिका में अगली पीढ़ी; रिलायंस की नीति चर्चा में

नई दिल्ली, एजेंसी। बड़े औद्योगिक घरानों में उत्तराधिकार की प्रक्रिया से भारत का कॉरपोरेट चेहरा बदल रहा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की ओर से अनंत अंबानी को न्यू एनर्जी और पेट्रोकेमिकल कारोबार की कमान सौंपे जाने के बाद भारत के कॉरपोरेट परिदृश्य में उत्तराधिकार रणनीति फिर चर्चा में है। फाइनेंशियल टाइम्स, इकनॉमिक टाइम्स और ब्लूमबर्ग जैसे मीडिया स्रोतों ने इसे भारत के बड़े औद्योगिक घरानों रिलायंस, टाटा, अदाणी और महिंद्रा में नेतृत्व परिवर्तन की व्यापक प्रक्रिया का हिस्सा बताया है। रिपोर्ट इस बदलाव की गहराई को समझने, विभिन्न मॉडल की तुलना करने और यह जानने का प्रयास है कि भारत का अगला कॉरपोरेट नेतृत्व कैसा होगा। उसकी वैश्विक साख कैसी बन रही है।

उत्तराधिकार अब पारिवारिक परंपरा से आगे बढ़कर रणनीतिक और राष्ट्रीय नीति का अंग कैसे बन रहा है। रिलायंस ने आकाश और अनंत अंबानी को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपकर साफ संकेत दे दिया है कि अगली पीढ़ी अब कंपनी संचालन की मुख्यधारा में आ चुकी है। यह कदम कॉरपोरेट रणनीति, ब्रांड निर्माण और वैश्विक निवेशकों की धारणा के लिहाज से भी निर्णायक माना जा रहा है।

महंगी कारों की बुकिंग धड़ाधड़ कैंसिल कर रहे हैं भारत के रईस

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और ब्रिटेन के बीच ट्रेड डील होने वाली है। इस समझौते की वजह से लग्जरी कार कंपनियों को नुकसान हो रहा है। ब्रिटेन में लैंड रोवर, जगुआर, रोल्स रॉयस, बेंटले, एस्टन मार्टिन, लोटस और मैकलारेन जैसी महंगी कारें बनती हैं। जगुआर और लैंड रोवर को टाटा मोटर्स ने खरीदा है। भारत और ब्रिटेन के बीच ट्रेड डील की घोषणा मई में हुई थी। इस समझौते के अनुसार कारों पर लगने वाला टैक्स कम हो जाएगा। अभी कारों पर 75-125 प्रतिशत तक टैक्स लगता है। समझौते के बाद यह टैक्स घटकर 10 प्रतिशत

हो जाएगा। इस समझौते की घोषणा के बाद बहुत से अमीरों ने कार खरीदने की योजना रोक दी है। कुछ लोगों ने तो बुकिंग भी रद्द कर दी है। वे अब कम टैक्स लगने का इंतजार कर रहे हैं। वे चाहते हैं कि टैक्स कम होने पर ही कार खरीदें। एक बड़े डीलर ने बताया, यह हमारे लिए बहुत निराशाजनक है। बहुत से ग्राहक बुकिंग रोक रहे हैं जबकि हमने कंपनियों को ऑर्डर भी दे दिए हैं। इससे भारतीय बाजार की छवि खराब होती है। लग्जरी कार कंपनियां कम गाड़ियां बनाती हैं, ताकि उनकी कारों की वैल्यू बनी रहे। अब वे गाड़ियां दूसरे देशों को भेज रही हैं।

डीलरों का तर्क

डीलर ने आगे कहा, हमें यह नहीं पता कि टैक्स कब कम होगा। यह भी नहीं पता कि टैक्स धीरे-धीरे कम होगा या एक साथ। बुकिंग रुकने से डीलरों को नुकसान हो रहा है।

पीएलआई से मोबाइल विनिर्माण को मिली रफ्तार

आयातक से दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मोबाइल निर्यातक बना भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत मोबाइल फोन उत्पादन (विनिर्माण) के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ते हुए वैश्विक पावरहाउस बन गया है। देश पिछले 10 साल में आयातक से दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा मोबाइल फोन निर्यातक बन गया है। कैलेंडर वर्ष 2024 में भारत से कुल 20.5 अरब डॉलर का मोबाइल फोन निर्यात किया गया। सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज (सीडीएस) के अध्ययन के मुताबिक, भारत को मोबाइल फोन आयातक से निर्यातक बनाने की प्रक्रिया की शुरुआत 2017 में हुई थी। यह परिवर्तन निरंतर सरकारी समर्थन, वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में रणनीतिक एकीकरण और 2020 में उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के शुभारंभ का नतीजा है। भारत की असाधारण यात्रा के बारे में अध्ययन में बताया गया है कि देश 2014-15 में मोबाइल फोन का शुद्ध आयातक था। सरकार के समर्थन के दम पर अगले 10 साल में यानी 2024-25 में 24.1 अरब डॉलर के साथ मोबाइल फोन निर्यात का पावरहाउस बन गया, जबकि 2017-18 में यह सिर्फ 0.2 अरब डॉलर था।

बीएसएनएल को नहीं हुआ कोई राजस्व नुकसान

सीएजी रिपोर्ट पर सरकार ने सदन में दिया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। बीएसएनएल और सरकार को कोई राजस्व हानि नहीं हुई है। संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्रशेखर ने बुधवार को लोकसभा में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की हालिया रिपोर्ट में बताई गई वित्तीय हानि कुछ प्रावधानों की गलत व्याख्या पर अधारित थी। सीएजी की रिपोर्ट संख्या 01/2025, जो मार्च 2023 को समाप्त वर्ष से संबंधित है, उसमें बीएसएनएल की अनुबंधीय अनुपालना, योजना और बिलिंग में कुछ खामियों की ओर इशारा किया गया था। रिपोर्ट में कुल मिलाकर बीएसएनएल को 1,944.92 करोड़ रुपये की संचयी वित्तीय नुकसान का आकलन किया गया था।

मास्टर सेवा समझौते पर पूछे गए सवाल- कांग्रेस सांसद प्रणीति सुशील कुमार शिंदे ने सरकार से पूछा था कि क्या बीएसएनएल ने आरजेआइएल के साथ मास्टर सेवा समझौता को प्रभावी तरीके से लागू नहीं किया। इससे 1,757.76 करोड़ रुपये के कथित नुकसान की बात सामने आई। इस पर मंत्री ने कहा कि बीएसएनएल ने आरजेआइएल के साथ अपने टावर बुनियादी ढांचे को किराए पर देने के लिए मास्टर सेवा समझौता किया है।

गलत व्याख्या को न्यायसंगत तरीके से ठीक किया जाएगा- मंत्री ने लोकसभा में लिखित जवाब में कहा कि बीएसएनएल और सरकार को कोई राजस्व हानि नहीं हुई है। सीएजी का अनुमान एड-ऑन प्रौद्योगिकी के खंड की गलत व्याख्या पर आधारित था। इसे अब पारदर्शी और न्यायसंगत तरीके से ठीक कर लिया गया है।

पीआईजेएफ अंडरग्राउंड केबल पर पूछा गया सवाल- बीएसएनएल द्वारा खरीदी गई अधिक आकार की पीआईजेएफ

अंडरग्राउंड केबल के उपयोग न हो पाने के संबंध में संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने लोकसभा में जानकारी दी कि यह खरीद तत्कालीन मानदंडों के अनुसार की गई थी। मंत्री ने कहा कि बदलते प्रतिस्पर्धी परिदृश्य के कारण यह केबल पूरी तरह से उपयोग नहीं हो सकी। हालांकि, बीएसएनएल ने इस अतिरिक्त केबल का 70.32 करोड़ रुपये मूल्य तक मोनेटाइजेशन कर लिया है, जबकि शेष केबल की अनुमानित बिक्री कीमत लगभग 23 करोड़ रुपये है। बीएसएनएल और अन्य सार्वजनिक उपक्रमों (क्स्न्न्नह्य) की कार्यप्रणाली में नुकसान की भरपाई और ऐसी गलतियों की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं।

अमेठी में कई सामाजिक विकास परियोजनाओं पर कर रहा काम अदाणी फाउंडेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। अदाणी फाउंडेशन अमेठी में विभिन्न सामाजिक विकास परियोजनाओं पर काम कर रहा है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सामुदायिक विकास शामिल हैं। यहां फाउंडेशन पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत मॉडल सोलर विलेज बनाने में भी सहयोग कर रहा है, जिसका उद्देश्य अमेठी को ऊर्जा स्वतंत्र बनाना है। अदाणी फाउंडेशन की इस पहल में अमेठी में जल संरक्षण और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार शामिल है। अदाणी फाउंडेशन द्वारा अमेठी में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत मॉडल सोलर विलेज बनाने में सहयोग कर रहा है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में मुफ्त सस्ती बिजली उपलब्ध हो सके। फाउंडेशन स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में भी काम कर रहा है, जिसमें स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार करना शामिल है। अभी हाल ही में ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित कर अदाणी फाउंडेशन द्वारा अमेठी में 100 टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान सभी मरीजों को पोषण किट प्रदान की गई और उन्हें सलाह दी गई कि वे इसका उपयोग स्वयं करें तथा सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। अदाणी फाउंडेशन युवाओं और महिलाओं के लिए आजीविका के अवसर पैदा करने पर भी ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें रोजगार मेले और कौशल विकास कार्यक्रम शामिल हैं। फाउंडेशन सामुदायिक विकास के लिए भी काम करता है, जिसमें जल संरक्षण और ग्रामीण बुनियादी ढांचे के विकास जैसी पहल शामिल हैं। अदाणी फाउंडेशन ने विकलांग व्यक्तियों के लिए आजीविका के अवसर पैदा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, उन्हें विभिन्न उपकरण और प्रशिक्षण प्रदान किए हैं। अदाणी फाउंडेशन का लक्ष्य अमेठी जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सामुदायिक विकास के माध्यम से समग्र विकास करना है।

महिला सशक्तिकरण के तहत अदाणी फाउंडेशन टिकरिया अमेठी द्वारा सीमेंट प्लांट के आसपास के 11 आंगनबाड़ी केंद्रों को टेबल और कुर्सियां वितरित की गईं हैं। अदाणी फाउंडेशन का उद्देश्य केंद्रों में बच्चों को बैठने की बेहतर सुविधा और शुद्ध जल उपलब्ध कराना है। भविष्य में इन केंद्रों को सरकार और फाउंडेशन के सहयोग से मॉडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। अदाणी फाउंडेशन ने 10 सरकारी स्कूलों में बाला वॉल पेंटिंग बनाई है। यह बच्चों को शिक्षित करने का एक अनोखा तरीका है। टिकरिया पंचायत स्थित अदाणी एसीसी सीमेंट प्लांट के तत्वावधान में आसपास के कई स्कूलों में बच्चों को पेंटिंग के माध्यम से शिक्षित करने का यह अभिनव प्रयोग शुरू किया गया है।

China Open Badminton:

चाइना ओपन में सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में, प्रणय को मिली हार

चांग्झू, एजेंसी। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21–19, 21–19 से जीत हासिल की। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने गुरुवार को इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और बगास मौलाना को सीधे गेम में हराकर चाइना ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। हालांकि, एचएस प्रणय 65 मिनट तक चले पुरुष एकल के दूसरे दौर के मैच में चीनी ताइपे के छठे वरीय चोऊ तिएन चेन से 21–18, 15–21, 8–21 से हारकर बाहर हो गए। विश्व की पूर्व नंबर एक भारतीय जोड़ी ने अपने धैर्य का अच्छा नमूना पेश करते हुए एक कड़े मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी पर 21–19, 21–19 से जीत हासिल की। सात्विक और चिराग को जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी क्योंकि दोनों ही गेम में पलड़ा इधर से उधर झुकता रहा। पहले गेम में इंडोनेशियाई जोड़ी ने पहले 8–6 और बाद में 14–12 की मामूली बढ़त बना ली थी, लेकिन भारतीय जोड़ी ने 14–16 के स्कोर के बाद लगातार पांच अंक जीतकर 19–16 से बढ़त बना ली और फिर पहला गेम अपने नाम कर दिया। दूसरे गेम में भी यही स्थिति रही। एक समय लियो और बगास 14–10 की बढ़त बनाए हुए थे। लेकिन भारतीय जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 18–18 से बराबर कर दिया और आखिरी क्षणों में भी संयम बनाए रखते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

डीसी ओपन टेनिसः

फ्रिट्ज ने डीसी ओपन के तीसरे दौर में बनाई जगह

वीनस विलियम्स युगल में बाहर

वॉशिंगटन, एजेंसी। पहले दौर में बाई मिलने के बाद फ्रिट्ज अब तीसरे दौर में माटेओ अर्नाल्डी का सामना करेंगे, जिन्होंने 16वें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो सोनेगो को 7–5, 7–5 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने सीधे सेट में जीत दर्ज करके डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई लेकिन एक साल से भी अधिक समय बाद वापसी करने वाली वीनस विलियम्स को महिला युगल में हार का सामना करना पड़ा। विंबलडन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले फ्रिट्ज ने अलेक्जेंडर वुकिक पर 6–3, 6–2 से जीत हासिल की। पहले दौर में बाई मिलने के बाद फ्रिट्ज अब तीसरे दौर में माटेओ अर्नाल्डी का सामना करेंगे, जिन्होंने 16वें नंबर के खिलाड़ी लोरेंजो सोनेगो को 7–5, 7–5 से हराया। महिला वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को मारिया सकारी ने 7–5, 7–6 (1) से हरा दिया। इस बीच वीनस विलियम्स और उनकी जोड़ीदार हैली बैप्टिस्ट का युगल में अभियान दूसरे दौर में चैंपियन टाईब्रेकर में दूसरी वरीयता प्राप्त टेलर टाउनसेंड और झांग शुआई की जोड़ी से 6–4, 3–6, 10–6 से हार के साथ समाप्त हो गया।

दिव्या एफआईडीई विमेंस वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची

जॉर्जिया (एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख ने जॉर्जिया में चल रहे एफआईडीई विमेंस वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। दिव्या इस टूर्नामेंट के इतिहास में फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी हैं। यह जीत उनकी लगातार तीसरी ऐसी जीत है, जिसमें उन्होंने एक ग्रैंडमास्टर को मात दी। इस जीत के साथ ही दिव्या ने अपना पहला ग्रैंडमास्टर नॉर्म हासिल किया और 2026 एफआईडीई महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में अपनी जगह पक्की की। वहीं, कोनेरू हम्पी का फैसला आज टाई-ब्रेकर मैच (रैपिड/ब्लिट्ज) से होगा। चीनी खिलाड़ी टिंगजी लेई के खिलाफ दोनों गेम ड्रॉ रहा।

दिव्या ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन को हराया

दिव्या ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन तान झोंग्यी को सेमीफाइनल मुकाबले में 1.5-0.5 के अंतर से हराया। 19 साल की दिव्या ने सफेद मोहरों से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया और 101 चाल में मात दी। दूसरे गेम में उन्हें सफेद मोहरों से खेलने का फायदा मिला। उन्होंने बीच के खेल में लगातार दबाव बनाया और तान झोंग्यी को गलतियां करने पर मजबूर कर दिया।

व्हाइट (दिव्या) क्वीन की अदला-बदली के साथ जीत की स्थिति में थी, लेकिन क्वीन को बोर्ड पर रखने से भी उनकी स्थिति बहुत मजबूत थी।इसके बाद झोंग्यी ने वापसी की और बढ़त ले ली। समय की कमी में झोंग्यी ने गलत चाल चली, जिसके बाद दिव्या दो प्यादों की बढ़त के साथ आगे हो गई। आखिरी गेम में झोंग्यी के पास ड्रॉ के कई मौके थे, लेकिन वह इन्हें भुना नहीं सकीं।

पहला गेम रहा था ड्रॉ

पहले गेम में दिव्या ने काले मोहरों से खेला था। यह गेम ड्रॉ रहा था। दिव्या ने पहले गेम के शुरुआत में ही खेल को संतुलित करने की रणनीति अपनाई। झोंगयी ने 'क्वीन्स गैम्बिट डिक्लाइन्ड' ओपनिंग से खेल की शुरुआत की, जिसमें दिव्या ने लगातार मोहरे बदलते हुए संतुलन बनाए रखा। झोंगयी भी इस स्थिति से संतुष्ट दिखीं, जहां ब्लैक को थोड़ी सक्रियता मिली थी।

मैनचेस्टर टेस्ट-

भारत 5 विकेट पर 300 पार

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेला जा रहा है। गुरुवार को मुकाबले का दूसरा दिन है और पहले सेशन का खेल जारी है।

भारतीय टीम ने पहली पारी में 5 विकेट पर 302 रन बना लिए हैं। शार्दूल ठाकुर (35 रन) और वॉशिंगटन सुंदर (4 रन) क्रीज पर मौजूद हैं। रवींद्र जडेजा 20 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें जोफ्रा आर्चर ने हैरी ब्रूक के हाथों कैच कराया।

भारतीय टीम ने 264/4 के स्कोर से खेलना शुरू किया। बुधवार को इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। भारत की ओर से साई सुदर्शन (61 रन) और ओपनर यशस्वी जायसवाल (58 रन) ने अर्धशतक बनाए। केएल राहुल ने 46 और ऋषभ पंत ने 37 रन बनाए। कप्तान शुभमन गिल 12 रन ही बना सके।

बीसीसीआई ने गुरुवार को ऋषभ पंत की चोट पर अपडेट दिया है। बोर्ड ने एक्स पोस्ट पर लिखा- मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन दाहिने पैर में चोट लगने के बाद ऋषभ पंत बचे मैच में विकेटकीपिंग नहीं कर पाएंगे। ध्रुव जुरेल विकेटकीपर की भूमिका निभाएंगे। चोट के बावजूद ऋषभ पंत दूसरे दिन टीम में शामिल हो गए हैं। वे टीम की जरूरत के अनुसार बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध रहेंगे।

95वें ओवर में भारतीय टीम ने 300 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। वॉशिंगटन सुंदर ने जोफ्रा आर्चर की पहली बॉल पर चौका लगाकर टीम स्कोर 300 पार पहुंचाया।

दोनों टीमें

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, शार्दूल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, अंशुल कम्बोज।

एशिया जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप

वेन्नाला कलागोटला और तन्वी शर्मा ने भारत को दिलाई शानदार शुरुआत

सोलो (इंडोनेशिया), एजेंसी। बैडमिंटन एशिया जूनियर व्यक्तिगत चैंपियनशिप 2025 में भारत ने शानदार शुरुआत की है। महिला एकल वर्ग में वेन्नला कालागोटला और तन्वी शर्मा ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर भारतीय अभियान को मजबूत बढ़त दिलाई। वेन्नला कालागोटला ने अलिसा कूलेशोवा को सिर्फ 15 मिनट में 21-6, 21-10 से शिकस्त दी। इसके बाद उन्होंने इंडोनेशिया की औबर्टा जर्लिना को 21-18, 21-16 से हराकर गुरुवार को होने वाले राउंड ऑफ-32 में जगह बना ली। दूसरी वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा ने यूएई की वैदेही कालिदासन को आसानी से 21-6, 21-6 से हराया, जबकि तन्वी रेड्डी ने चिओक इयान उंग को 21-9, 21-10 से पराजित किया। पुरुष एकल में, प्रणव राम नागलिंगम ने म्यांमार के लाल जुइदिका को 21-15, 21-7 से हराया। अंश नेगी ने डिंग हान जिन को 21-16, 21-15 से शिकस्त दी। वहीं, हमर लालथाजुआला और रौनक चौहान ने सीधे गेमों में जीत हासिल की। युगल में, कलागोटला-रेशिका उथयासूरियन ने वियतनाम की गुयेन वु न्गोक ट्रान-फाम थी ट्रुक एन को 21-16, 21-14 से हराया, जबकि गायत्री-मनसा रावत ने एंड्रिया हर्नांडेज-मैरी उनताल को 21-17, 21-18 से शिकस्त दी। विष्णु कोडे-कीर्ति मंचला ने मिश्रित युगल में 22-20, 16-21, 21-19 से जीत हासिल की। इस बीच, रुजुला रामू और सी लालरामसांगा-तारिणी सूरी जूनियर शटलरों के शीर्ष टूर्नामेंट से जल्दी ही बाहर हो गए। इससे पहले, भारत की जूनियर बैडमिंटन टीम ने बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पूर्व चैंपियन जापान से 110-104 से हारने से पहले कड़ी टक्कर दी। रिले स्कोरिंग सिस्टम के तहत एक करीबी मुकाबले में, भारत ने शुरुआती मैच में 11-9 से मिली मामूली हार के बाद शानदार वापसी की। भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू की लड़कों की युगल जोड़ी ने भारत को बढ़त दिलाई।

सितंबर में खेला जाएगा 2025 एशिया कप

वेन्यू का हो गया खुलासा ! भारत-पाक मैच पर भी आया अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप 2025 को लेकर आखिरकार अच्छी खबर सामने आई है. अब तक संशय की स्थिति बनी हुई थी कि इस साल एशिया कप का आयोजन होगा भी या नहीं. अब मीडिया रिपोर्ट्स अनुसार एशिया कप 2025 की मेजबानी दुबई, अबू धाबी करने वाला है. यह टूर्नामेंट 5 सितंबर-21 सितंबर तक खेला जाएगा. एशिया कप में भारतीय टीम के खेलने पर भी कुछ स्पष्ट नहीं था, लेकिन ताजा अपडेट अनुसार इस टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान समेत कुल 8 टीम भाग लेने वाली हैं.

अभी तक बीसीसीबाई, एसीसी और आईसीसी ने इस संबंध में कोई आधिकारिक स्टेटमेंट जारी नहीं किया है, लेकिन टाइम्स ऑफ इंडिया अनुसार भारतीय टीम भी इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली है. टूर्नामेंट में भाग लेने वाले देशों के नाम भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, ओमान, यूएई और हॉन्ग कॉन्ग होंगे. एशिया कप का आयोजन आखिरी बार 2023 में ओडीआई फॉर्मेट में खेला गया था, जिसके फाइनल में भारत ने श्रीलंका को 10 विकेट से रौंदा था. अभी तक यह साफ नहीं है कि एशिया कप में भारत बनाम पाकिस्तान मैच होगा या नहीं, क्योंकि अभी तक पूरा शेड्यूल जारी नहीं किया गया है. बता दें कि फिलहाल इंग्लैंड में खेली जा रही वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 में भी भारत बनाम पाकिस्तान मैच होने वाला था, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने इस मुकाबले में खेलने से इनकार कर दिया था. ऐसे में आयोजकों को इंडिया चैंपियंस बनाम पाकिस्तान चैंपियंस मैच को रद्द करना पड़ा था. पिछले संस्करण से उलट एशिया कप 2025 टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा. यह पहली बार होगा जब किसी एशिया कप टूर्नामेंट में कुल 8 टीम भाग ले रही होंगी. इस बार एशिया कप में विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा जैसे सीनियर खिलाड़ी नहीं खेलेंगे, क्योंकि ये तीनों खिलाड़ी टी20 फॉर्मेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं.

वैभव को पछाड़ आयुष म्हात्रे ने रचा इतिहास, इंग्लैंड के खिलाफ 206 रन ठोक कर बनाए कई रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान आयुष म्हात्रे ने इंग्लैंड के खिलाफ यूथ टेस्ट सीरीज में ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए 206 रन जड़ डाले और एक नहीं बल्कि कई रिकॉर्ड्स अपने नाम कर लिए हैं. उन्होंने न केवल छक्कों के मामले में वैभव सूर्यवंशी को पीछे छोड़ा, बल्कि भारतीय अंडर-19 टेस्ट इतिहास में बतौर कप्तान सबसे बड़ी पारी खेलने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं.

वैभव से 2 छक्के ज्यादा लगाकर बनाया नया रिकॉर्ड - जहां वैभव सूर्यवंशी अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और छक्कों के लिए पहचाने जाते हैं, वहीं उनके ओपनिंग पार्टनर और कप्तान

आयुष म्हात्रे अब उनसे 2 छक्के ज्यादा लगाकर आगे निकल चुके हैं. इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए दो यूथ टेस्ट मैचों की सीरीज में आयुष ने कुल 9 गगनचुंबी छक्के लगाए, जबकि वैभव ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 7 छक्के लगाए थे.

सौरभ तिवारी का रिकॉर्ड भी टूटा - इससे पहले 2007-08 में सौरभ तिवारी ने यूथ टेस्ट सीरीज में 8 छक्के लगाए थे. इस बार आयुष ने उस रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया और एक सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले भारतीय अंडर-19 खिलाड़ी बन गए हैं. इनमें से 6 छक्के उन्होंने एक ही पारी में लगाए, जो अपने आप में एक दमदार प्रदर्शन रहा.

कप्तान ने ठोके 206 रन - दूसरे यूथ टेस्ट में आयुष ने पहली पारी में 80 रन, और दूसरी पारी में 126 रन की शानदार पारी खेली. कुल मिलाकर उन्होंने मैच में 206 रन बनाए और बतौर कप्तान अंडर-19 टेस्ट में 200+ रन बनाने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड तन्मय श्रीवास्तव ने हासिल किया था, जिन्होंने 2006 में एक यूथ टेस्ट में 199 रनों की शानदार पारी खेली थी.

रेड बॉल में वैभव से भी आगे निकले आयुष - वैभव सूर्यवंशी की ताकत जहां व्हाइट बॉल क्रिकेट में मानी जाती है, वहीं आयुष म्हात्रे ने साबित कर दिया कि रेड बॉल क्रिकेट के राजा वो हैं. इंग्लैंड के खिलाफ उनकी बल्लेबाजी न सिर्फ दमदार रही, बल्कि भविष्य के लिए एक मजबूत संकेत भी दे गई ।

भारतीय क्रिकेटर आवेश खान की हुई सफल सर्जरी, LSG फ्रेंचाइजी ने उठाया पूरा खर्चा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर आवेश खान की सफल सर्जरी हुई, जिसकी जानकारी लखनऊ सुपर जायंट्स ने सोशल मीडिया के माध्यम से दी. वह इंडियन प्रीमियर लीग में इसी फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हैं, जिसके कप्तान ऋषभ पंत हैं. सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के अनुसार आवेश की सर्जरी और रिहैब का पूरा खर्चा लखनऊ फ्रेंचाइजी ही उठाएगी. तेज गेंदबाज आवेश खान को आईपीएल 2025 से पहले भी घुटने में चोट लगी थी, हालांकि वह इससे रिकवर हो गए थे और बीसीसीआई ने उन्हें टूर्नामेंट में खेलने की इजाजत दी थी. ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जायंट्स के कई खिलाड़ी आईपीएल 2025 में चोट से जूझ रहे थे.

- **आवेश खान की घुटने की सर्जरी हुई** – रिपोर्ट के अनुसार आवेश खान और मोहसिन खान की घुटने की सर्जरी मुंबई के प्रसिद्ध ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. दिनशॉ पारदीवाला द्वारा की गई. आवेश के दाएं पैर के घुटने की सर्जरी 17 जून को हुई. इसी रिपोर्ट में बताया गया कि आवेश खान, मोहसिन खान और मयंक यादव रणजी ट्रॉफी के पहले हाफ से बाहर हो सकते हैं, इन तीनों के टूर्नामेंट के सेकंड हाफ में खेलने की उम्मीद है. सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के अनुसार आवेश खान की सर्जरी का पूरा खर्चा लखनऊ सुपर जायंट्स ने उठाया. रिहैब का खर्चा भी टीम ही कर रही है. उम्मीद है कि वह रणजी ट्रॉफी के दूसरे हाफ में खेल सकते हैं.

इंग्लैंड और स्पेन में महिला यूरो कप 2025 की फाइनल जंग

सिर्फ एक गोल से इतिहास रच गई ये खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला यूरो कप 2025 के ब्लॉकबस्टर मैच का इंतजार अब खत्म हो गया है। खिताबी भिड़ंत के लिए दो टीमें तय हो चुकी है। यूरो कप फाइनल मुकाबला रविवार, 27 जुलाई को स्विट्जरलैंड के बासेल में होगा। स्पेन और इंग्लैंड दोनों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार खेल का प्रदर्शन किया है। ऐसे में अब इन दोनों की टक्कर खिताबी भिड़ंत के लिए होगी। सेमीफाइनल में स्पेन की टीम ने रोमांचक अंदाज में जीत दर्ज की। जर्मनी के खिलाफ टीम ने एक मात्र गोल अतिरिक्त समय में किया। स्पेन के लिए यह गोल ऐताना बोनमाटी ने किया जो टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बीमार होने के कारण कुछ दिन अस्पताल में भर्ती थी। वहीं इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में इटली को 2-1 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। बता दें कि लायनेसेस के नाम से मशहूर इंग्लैंड की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में अपनी शानदार डिफेंस और खतरनाक आक्रमण से विरोधियों की हालत खराब करके रखी है। कप्तान लिया विलियमसन के नेतृत्व में अब टीम की कोशिश होगी कि वह लगातार दूसरे खिताब को अपने नाम करें। इंग्लैंड के लिए पूरे टूर्नामेंट में फॉरवर्ड बेथ मीड और एला टूने ने जीत के लिए अपना दम लगाया है। इसके अलावा गोलकीपर मैरी अर्प्स की चपलता से इंग्लैंड ने महत्वपूर्ण बचाव किए।

पहली बार यूरो कप के फाइनल में पहुंची है स्पेन – दूसरी ओर स्पेन ने जर्मनी को 1-0 से हराकर महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह बनाई है। स्पेन को ये जीत अतिरिक्त समय में किए गए गोल की मदद से मिली है। दोनों टीम निर्धारित समय में गोल नहीं कर पाई थी इसके बाद दो बार की बैलन डीओर विजेता बोनमाटी ने अतिरिक्त समय में 113वें मिनट में निर्णायक गोल किया। यूरो 2025 का फाइनल 2023 में खेले गए महिला विश्व कप के फाइनल की पुनरावृत्ति होगा। तब स्पेन ने इंग्लैंड को 2-1 से हराया था। स्पेन की जर्मनी के खिलाफ यह पहली जीत थी। वह पहली बार यूरोपीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचा है। स्पेन ने पिछले दो साल में विश्व कप और नेशंस कप जीते हैं और अब उसकी निगाह खिताब की हैट्रिक पूरी करने पर होगी। यूरो 2025 के लिए बोनमाटी की तैयारियां उस समय गंभीर रूप से प्रभावित हो गई थी जब टूर्नामेंट से एक सप्ताह से भी कम समय पहले बार्सिलोना की मिडफील्डर को वायरल मैनिंजाइटिस के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

जान्हवी ने पोस्ट में किया खुलासा

फैंस के साथ जल्द 52 सेल्फी शेयर करेंगी

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने आज बुधवार को इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। यह तस्वीरें उन्होंने यात्रा के दौरान फ्लाइट से शेयर की हैं। इसी के साथ उन्होंने खुलासा किया कि उनके पास 52 सेल्फी और हैं पोस्ट करने के लिए। जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी आगामी फिल्म परम सुंदरी को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म 25 जुलाई को रिलीज होनी थी, मगर अब यह पोस्टपोन हो गई है। इस बीच जान्हवी कपूर ने अपने हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फैंस का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने अपनी दिलकश फोटोज शेयर करते हुए कुछ ऐसा लिखा है, जिसने यूजर्स की उत्सुकता बढ़ा दी है।

कैप्शन से बढ़ाई फैंस की उत्सुकता

जान्हवी कपूर ने आज बुधवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फ्लाइट से अपनी फोटोज शेयर की हैं, जिनमें खुली जुल्फों में वे बेहद प्यारी लग रही हैं। इसके साथ जान्हवी ने कैप्शन लिखा है, पोस्ट करने के लिए 52 और सेल्फी थीं, लेकिन उनमें बहुत सारी स्नीक पीक थे, इसलिए मैं कंट्रोल कर रही हूं और आप लोगों को असली चीज देखने के लिए इंतजार करना होगा।

डीडीएलजे में शाहरुख और अनुपम खेर ने मिलकर गढ़ा था एक डायलॉग

फिल्म निर्माता- अभिनेता अनुपम खेर ने साल 1995 की ब्लॉकबस्टर फिल्म दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे से जुड़ा एक मजेदार किस्सा सुनाया। अनुपम ने बताया कि मशहूर डायलॉग ओ पोची, ओ कोका, ओ बॉबी, ओ लोला को अभिनेता शाहरुख खान ने चुटकियों में रच डाला था। अभिनेता अनुपम खेर ने बातचीत में कूल डैड किरदार को लेकर राय जाहिर की। उन्होंने कहा, कूल डैड का किरदार निभाना मेरे पिताजी जी को सम्मान देने जैसा है। मेरे निभाए हर एक कूल डैड किरदार का कनेक्शन मेरे पिताजी को समर्पित है और वह उन सब में फिट बैठते हैं। अभिनेता ने अपने पिता को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताया। अनुपम खेर से जब पूछा गया कि उनका मशहूर डायलॉग ओ पोची, ओ कोका, ओ बॉबी, ओ लोला कैसे बना था, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, तुरंत! फिल्म की शूटिंग के दौरान मैंने शाहरुख से कहा, चलो कुछ ऐसा करते हैं जिसे लोग याद रखें। खास बात है कि शाहरुख इम्प्रोवाइजेशन (बिना किसी योजना के तुरंत कुछ बेहतर बनाना) में माहिर हैं।

वह हमेशा नए-नए आइडियाज आजमाने के लिए तैयार रहते हैं। अनुपम ने बताया कि उनकी यह लाइन हिट बन गई थी। उन्होंने कहा, यह लाइन एक तरह से कल्ट बन गई थी, यह मेरे लिए बहुत खास है।

ऑनलाइन बेटिंग मामले में राणा दग्गुबाती की बढ़ी मुश्किलें

ईडी के सामने नहीं हुए पेश

तेलंगाना में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अब सितारों की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। सुपरस्टार राणा दग्गुबाती इस मामले में बुधवार को पूछताछ के लिए ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) द्वारा जारी समन के बाद पेश होने वाले थे, लेकिन वो नहीं आए। अब ईडी ने उन्हें 11 अगस्त को दोबारा बुलाया है।

क्या है मामला?

इस मामले में सिर्फ राणा दग्गुबाती ही नहीं, बल्कि टॉलीवुड और बॉलीवुड के कई चर्चित नामों को जांच के दायरे में लाया गया है। ईडी ने इस हफ्ते चार सितारों को समन जारी किया है जिसमें अभिनेता प्रकाश राज को 30 जुलाई, विजय देवरकोंडा को 6 अगस्त और लक्ष्मी मंचु को 13 अगस्त को तलब किया गया है। ईडी की जांच का फोकस इन कलाकारों द्वारा कथित तौर पर कुछ ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स का प्रचार करने पर है। इन ऐप्स पर गैरकानूनी सट्टेबाजी के जरिए करोड़ों रुपये की अवैध कमाई करने का आरोप है। प्रमोशन के बहाने हुआ लाखों का लेन-देन! सूत्रों के मुताबिक, कुछ नामचीन अभिनेताओं और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को इन ऐप्स को प्रमोट करने के लिए मोटी रकम दी गई थी। हालांकि इन सितारों का दावा है कि उन्हें इन प्लेटफॉर्म्स की वास्तविक गतिविधियों की जानकारी नहीं थी और वो सिर्फ ब्रांड प्रमोशन समझकर इससे जुड़े थे। ईडी ने ये मामला तेलंगाना पुलिस की ओर से दर्ज की गई पांच प्राथमिकियों के आधार पर शुरू किया है। एजेंसी अब इन कलाकारों के बयान दर्ज करेगी, जिसे मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम के तहत कानूनी दस्तावेज माना जाएगा

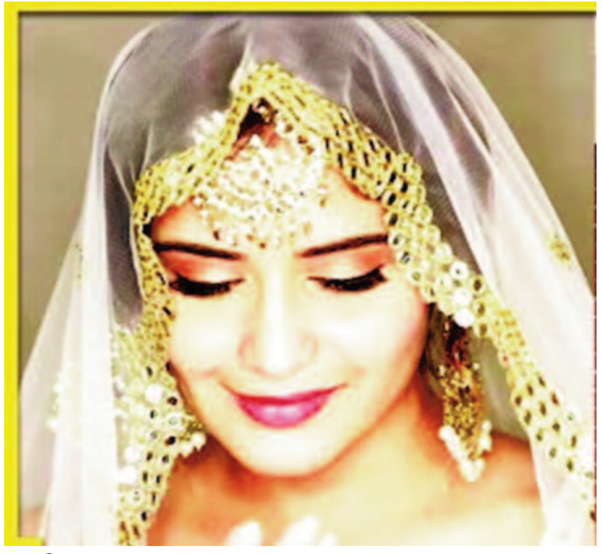

सोशल मीडिया ट्रेंड पर शामिल हुई, आरती सिंह बनाया मजेदार वीडियो

टेलीविजन अभिनेत्री आरती सिंह भले ही स्क्रीन पर अब देखने को नहीं मिलती लेकिन वह अपने फैंस के साथ जुड़े रहने के लिए सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करती रहती हैं। उन्होंने बुधवार को एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया, जिसमें वह डांस करती नजर आ रही हैं।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह तड़पाओगे तड़पा लो गाने पर डांस करती नजर आ रही हैं। वीडियो में आरती पीले रंग की साड़ी पहनी हुई है। गाने के बोल के साथ शानदार एक्सप्रेशन देते हुए वह डांस करती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा,तड़पाओगे? तड़पालो! फैंस को उनका ये खास अंदाज काफी पसंद आ रहा है। फैंस कमेंट सेक्शन पर उन्हें हार्ट, फायर, और स्माइली इमोजी शेयर कर रहे हैं। बता दें, यह गाना कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है, जिसको फॉलो करते हुए अभिनेत्री रुपाली गांगुली, सपना चौधरी और भोजपुरी अभिनेत्री रानी चटर्जी ने भी वीडियो बनाई थी और लाखों व्यूज पाए थे। यह गाना साल 1957 में आई बरखा का है। जिसे लता मंगेशकर ने गाया है, इसके बोल राजिंदर कृष्ण ने दिए हैं। वहीं, यह फिल्म थाई पिरांधल वाझी पिराक्कुम का रीमेक थी। गाने का संगीत काफी मधुर है, जिसे चित्रगुप्त ने तैयार किया था। गाने की तरह फिल्म को भी लोगों ने काफी पसंद किया था।

मेंटली परेशान करने की साजिश

तनुश्री का अभिनेताओं पर बड़ा आरोप

सोशल मीडिया पर शेयर किए गए अपने वीडियो के बाद चर्चाओं में आई तनुश्री दत्ता ने अब पूरे मामले में कई खुलासे किए हैं और कुछ अभिनेताओं पर गंभीर आरोप भी लगाए हैं। रोज सुबह और रात को कोई मेरे घर की घंटी बजाता है, लेकिन दरवाजे खोलने पर सामने कोई नहीं होता। दिन-रात घर के बाहर अजीबोगरीब आवाजें आती हैं।

दरवाजा पीटा जाता है और घंटियों की आवाजें आती हैं। लेकिन कोई नजर नहीं आता। यह कहना है बॉलीवुड अभिनेत्री तनुश्री दत्ता का। जिन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह रोते हुए मदद मांगती दिखीं। उनका कहना है कि पिछले कुछ साल से उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा है। जिसके चलते पुलिस तक बुलानी पड़ी। डिजिटल से बातचीत में तनुश्री ने इस बारे में विस्तार से बात की और इसे एक साजिश बताया। एक्ट्रेस ने बॉलीवुड के दो बड़े अभिनेताओं पर कई तरह के आरोप भी लगाए।

क्या आप खुलकर बता सकती हैं कि आपके साथ क्या हो रहा है?

मैं मुंबई में अकेली रहती हूं और यही मेरी सबसे बड़ी असुरक्षा बन चुकी है। पिछले कुछ साल से मेरे साथ जो हो रहा है, वह महज इत्तेफाक नहीं है। यह एक सोची-समझी मानसिक तकलीफ देने की कोशिश है। मेरे घर में दिन-रात अजीबोगरीब आवाजें आती हैं। अभिनेत्री ने आगे बताया कि मेरी बिल्डिंग दो इमारतों से जुड़ी हुई है। इसमें कई सर्विस वेंट्स हैं जो बाथरूम और किचन के बाहर हैं। मुझे शक है कि इन्हीं वेंट्स के जरिए घर के अंदर एंट्री ली जा रही थी। मैंने उन सभी वेंट्स को सील करवा दिया। इसके बाद चोरी रुक गई, लेकिन मानसिक उत्पीड़न नहीं थमा। नो बेल, नो कॉल। के निर्देश के बाद भी कोई रोज जबरदस्ती घर की घंटी बजाता है। यह टारगेटेड हरेसमेंट है। ऐसे लोग भेजे जाते हैं जो बाहर से सामान्य दिखते हैं लेकिन अंदर से किसी नेटवर्क या साजिश का हिस्सा होते हैं। एक्ट्रेस ने बीती रात की बात बताते हुए कहा कि कल मैंने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी और आज सुबह से ही शोर-शराबा शुरू हो गया। सुबह 8 बजे के बाद हमारी सोसायटी में कंस्ट्रक्शन की अनुमति नहीं है, फिर भी कोई जानबूझकर धड़ाम-धड़ाम करता रहा।

'सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' को पेश करेंगे अनुराग, वेनिस फिल्म फेस्टिवल में होगा प्रीमियर

बॉलीवुड के दिग्गज निर्माता-निर्देशक अनुराग कश्यप 'सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' के साथ बतौर प्रस्तुतकर्ता जुड़ गए हैं। अनुराग 82वें वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रदर्शित होने वाली इस फिल्म को अपना समर्थन दे रहे हैं।

निर्देशक अनुपर्णा रॉय इस फिल्म से अपनी शुरुआत कर ही हैं। उनकी पहली ही निर्देशित फिल्म 82वें वेनिस अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में वर्ल्ड प्रीमियर करने वाली एकमात्र भारतीय फिल्म है। यह महोत्सव इस साल 27 अगस्त से 6 सितंबर तक इटली के वेनिस लीडो में आयोजित होगा। मुंबई में दो प्रवासी महिलाओं के बीच बनते रिश्तों पर आधारित 'सॉन्स ऑफ फॉरगॉटन ट्रीज' को ओरिजोंटी सेक्शन में प्रदर्शित किया जाएगा। यह एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता है जिसमें नए ट्रेंड और मुद्दों को उजागर करने वाली फिल्मों के लिए डेब्युडेंट्स, नई प्रतिभाओं और स्वतंत्र फीचर फिल्मों व कम चर्चित सिनेमा पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। नाज शेख और सुमी बघेल स्टारर इस फिल्म का निर्माण बिभांशु राय, रोमिल मोदी और रंजन सिंह ने किया है। इस फिल्म को प्रजेंट करने पर अनुराग कश्यप का कहना है कि मैंने हमेशा नई प्रतिभाओं का समर्थन करने में विश्वास किया है, खासकर उन लोगों का जो कुछ अलग कहना चाहते हैं। अपने विचारों और विश्वासों से पहले से तक मानकों को चुनौती देना चाहते हैं। रंजन और मैं पिछले कई साल से ऐसी कई फिल्मों से जुड़े रहे हैं और ऐसी नई प्रतिभाओं को लगातार सामने आते देखना काफी अच्छा है।

मेरे लिए सबसे पहले राइटर और डायरेक्टर होते हैं...

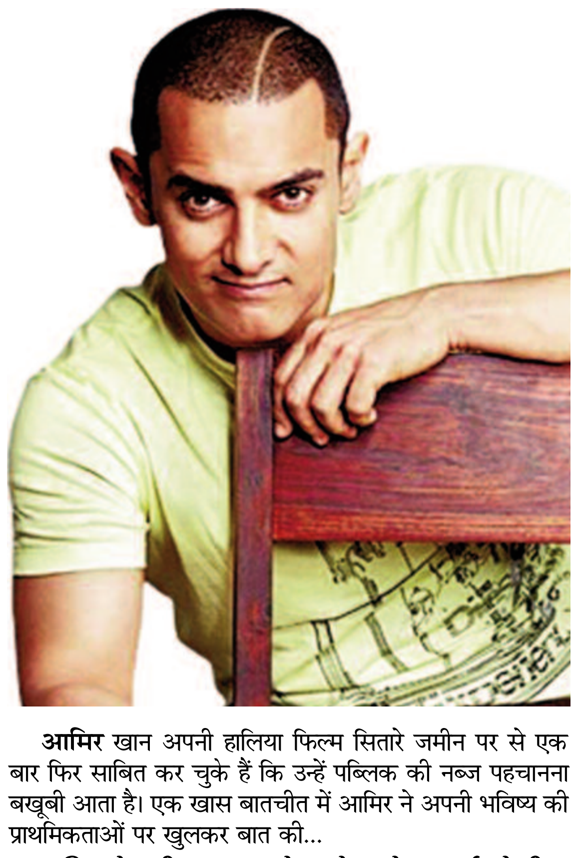

आमिर खान अपनी हालिया फिल्म सितारे जमीन पर से एक बार फिर साबित कर चुके हैं कि उन्हें पब्लिक की नब्ज पहचानना बखूबी आता है। एक खास बातचीत में आमिर ने अपनी भविष्य की प्राथमिकताओं पर खुलकर बात की...

सितारे जमीन पर आपसे पहले दूसरे एक्टर्स को भी ऑफर की गई थी क्या?

यह फिल्म कई एक्टर्स को ऑफर की गई थी और सबको स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई। आखिरकार फरहान अख्तर को फाइनल किया गया, और तमिल वर्जन के लिए शिवकार्तिकेयन को चुना गया क्योंकि डायरेक्टर प्रसत्रा तमिल बैकग्राउंड से हैं। हमने सोचा कि एक ही स्क्रिप्ट पर हिंदी और तमिल दोनों वर्जन बनाएं। सब फाइनल हो गया था। मैं बतौर प्रोड्यूसर स्क्रिप्ट के फाइनल ड्राफ्ट पर काम कर रहा था। पहले ही दिन, जब लेखक दिव्य निधि शर्मा स्क्रिप्ट पढ़ रहे थे और हम उस पर चर्चा कर रहे थे, तभी मेरे मन में ख्याल आया- यार, तू ही क्यों नहीं कर रहा ये फिल्म ?

लोकेश कनगराज के साथ वाली फिल्म में क्या ब्लडी एक्शन करेंगे?

फिल्म की जो जरूरत है, मैं वह करूंगा। लोकेश एक रोमांचक डायरेक्टर हैं, जिनके साथ काम करना अच्छा है। मगर जो मेरा पर्सनल टेस्ट है, मुझे खून खराबे वाला वायलेंस देखना पसंद नहीं है और शायद बड़े दर्शक वर्ग को भी एक्शन पसंद है लेकिन ज्याद खून खराबा पसंद नहीं। मैंने एनिमल नहीं देखी, मगर वह लोगों को अच्छी लगी तो ही चली होगी। मुझे ब्लडी एक्शन पसंद नहीं, मगर मेरे लिए स्क्रिप्ट क्या है, वह मायने रखता है।

साभार एजेंसी

हेलन, रेखा और माधुरी से मिली शिल्पा शेट्टी को खास प्रेरणा

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का लोकप्रिय डांस रियलिटी शो सुपर डांसर करीब 4 साल बाद फिर से वापस आ गया है। इस बार शो में और भी ज्यादा जोश और उत्साह देखने को मिलेगा। इस सीजन में देशभर से चुने गए 12 टैलेंटेड बच्चे हिस्सा ले रहे हैं, जो स्टेज पर धमाकेदार डांस परफॉर्मेंस देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। ये कंटेस्टेंट न सिर्फ शो के जजों को बल्कि लाइव ऑडियंस को भी अपने डांस से इंप्रेस करेंगे। इस शो के दौरान जज और एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी ने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में खुलकर बात की और कुछ इमोशनल बातें भी शेयर कीं। उन्होंने बताया कि उनकी जिंदगी और करियर में तीन खास महिलाओं ने उन्हें हमेशा प्रेरित किया है। शिल्पा शेट्टी ने कहा, मेरी जिंदगी में हमेशा तीन ऐसी महिलाएं रही हैं, जिन्होंने मुझे प्रेरित किया है। ये तीन महिलाएं हेलेन जी, रेखा जी और माधुरी दीक्षित जी हैं। हेलेन जी की खासियत यह थी कि वो चाहे कुछ भी पहनें या कोई भी डांस करें, वो कभी भी बुरा नहीं लगता था। रेखा जी की आंखों में इतना असर था कि वो सिर्फ अपनी नजरों से बहुत

कुछ कह देती थीं। उनका लिप-सिंक और एक्सप्रेशन कमाल के थे। उन्होंने आगे कहा, माधुरी दीक्षित जी के हर परफॉर्मेंस में एक अलग ही अंदाज होता है। मैंने डांस करना माधुरी दीक्षित के वीडियो को देखकर ही सीखा है। ये तीनों कलाकार हमेशा से मेरी एक बड़ी प्रेरणा रही हैं। अपनी मां के बारे में बात करते हुए शिल्पा भावुक हो गईं। उन्होंने बताया कि आज वो जिस मुकाम पर हैं, उसका सबसे बड़ा श्रेय उनकी मां को जाता है, क्योंकि उनकी मां ने हमेशा उनका बिना शर्त साथ दिया और हर मोड़ पर उनका हौसला बढ़ाया। शिल्पा ने कहा, मेरी मां ने मेरे लिए बहुत कुछ किया है, जितना कोई सोच भी नहीं सकता। जब मैं 17 साल की थी, तब बहुत मासूम थी और ज्यादा कुछ नहीं जानती थी।

उस वक्त मेरी मां मेरे साथ घूमती थीं, और करीब 10 साल तक उन्होंने इस तरह से मेरा पूरा साथ दिया। उन्होंने मुझे सबसे पहले रखा। वह मेरी मां ही नहीं, बल्कि मेरी मैनेजर, सलाहकार और सबसे बड़ी आलोचक भी थीं। मैं जो कुछ भी आज हूं, वो सब अपनी मां की वजह से हूं।